@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हरियाणा वाटिका

लोहारू से प्रकाशित सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 232 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 गुरूवार, 26 जून 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

प्रेरणास्त्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

सत्ता का अहंकार-परिवारवाद लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतराः नायब

करनाल में पत्रकारों से मुखातिब हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संविधान हत्या दिवस हमें याद दिलाता है कि सत्ता का अहंकार और परिवारवाद लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। संविधान देश का सर्वोच्च कानून है और इसका पालन व रक्षा करना हम सबका परम कर्तव्य है। संविधान के खिलाफ या उसके मूल सिद्धांतों का उल्लंघन करने वाले कृत्यों को हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को करनाल में संविधान हत्या दिवस पर आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वे आज उन सभी वीरों को नमन करते है, जिन्होंने उस समय तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाई, जेल गए, यातनाएं सहीं, लेकिन झुके नहीं। सैनी ने कहा कि देश आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर ह्यसंविधान हत्या दिवसह्य मना रहा है। 50 वर्ष पहले 25 जून, 1975 को हमारी लोकतांत्रिक मयार्दाओं को ताक पर रखकर आपातकाल लागू कर संविधान की आत्मा की हत्या कर दी गई थी। इसके लिए आंतरिक संकट का हवाला दिया गया, जो दरअसल सत्ता में बने रहने की निजी महत्वाकांक्षा थी। उसके 21 मास बाद तक पूरा देश तानाशाही के चंगुल में रहा। एक

मजबूत लोकतंत्र की कल्पना करने वाले लोगों को अपनी महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए जेलों में डाल गया और अनेक यातनाएं दी गई। आज संविधान हत्या दिवस मनाने का उद्देश्य देश की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के बारे में आमजन, विशेषकर नई पीढ़ी को निरंतर सजग बनाये रखना है।

हरियाणा के लोग भी इस संघर्ष में पीछे नहीं रहे

उन्होंने कहा कि आपातकाल केवल संवैधानिक संकट नहीं था, वह लोकतंत्र की उस प्रक्रिया पर हमला था, जो अभिव्यक्ति की आजादी, समानता और न्याय का अधिकार देती है। वह हमला था, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उस विचार पर, जिसमें उन्होंने ह्यएक राष्ट्र-एक विधानह्य का नारा दिया और उसके लिए खुद को बलिदान कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के लोग भी इस संघर्ष में पीछे नहीं रहे। अनेक लोगों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग संविधान की किताब लेकर जगह-जगह घूम रहे हैं और संविधान बचाओ का पाखंड कर रहे हैं। वे ही लोग बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के लिखे संविधान को खतरे में बता रहे हैं। एक समय था, जब उन्हीं की पार्टी ने रात के अंधेरे में सरेआम संविधान की हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के राजनैतिक पूर्वजों ने देश पर तानाशाही थोपी, प्रेस का गला घोंटा, नेताओं को जेलों में डाला, जबरन नसबंदी का कहर भरपाया, वे आज किस मुंह से संविधान और लोकतंत्र के रक्षक होने की दुहाई दे रहे हैं। उन्हें लोकतंत्र पर भाषण झाड़ने से पहले लोकतंत्र की हत्या के पाप को स्वीकार करना चाहिए और देश से माफी मांगनी चाहिए।

संविधान को तोड़ना कांग्रेस के डीएनए में: मुख्यमंत्री

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संविधान को तोड़ना कांग्रेस के डीएनए में शामिल है और वे संविधान को बचाने की दुहाई देते हैं,जबकि वे आज भी सरकार बनने पर कश्मीर में अनुच्छेद 370 वापस करने जैसे बयान देकर भी संविधान को कुचलने का प्रयास कर रहे हैं। सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद से पिछले 11 वर्षों में यह देश संविधान के अनुरूप चला है और असल मायने में आजाद भारत को लोगों ने देखा है। मुख्यमंत्री सैनी बुधवार को करनाल में भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय-देश में आपातकाल लगाए जाने के 50 साल पूर्ण होने पर संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब हमारा देश अंग्रेजों की गुलामी का दंश झेल रहा था, उस समय हमारे देश के नायकों ने अपना बलिदान दिया ताकि आने वाली पीढ़ियां खुली हवा में साँस ले सकें, लेकिन उस समय किसी को यह नहीं पता था कि देश एक ऐसा दौर भी देखेगा, जब पवित्र संविधान की हत्या की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 25जून का दिन हम सबको याद कराता है कि उस समय कैसे रात के

12बजे तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश में इमरजेंसी लगाने का आदेश पारित किया था। इमरजेंसी काल में आम लोगों को यातनाएं देते हुए पकड़ लिया जाता था। उन पर किए गए अत्याचारों से आज भी हमारे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। सैनी ने कहा कि यह आदेश उस सरकार की अपनी इच्छाशक्ति को पूरा करने के लिए जारी किया गया था।

यह एक सोची-समझी साजिश के तहत किया गया था। देश के पवित्र संविधान को अपने स्वार्थ के लिए कुचल दिया गया था। इमरजेंसी के दौरान संविधान और लोकतंत्र का एक बार भी स्मरण नहीं किया गया। किस प्रकार नेताओं और अपनी आवाज को बुलंद करने वाले लेखकों पर अत्याचार किए गए,उनको जेलों में बंद कर दिया गया, ताकि वे सरकार के खिलाफ कुछ न लिख सकें। नायब सिंह सैनी ने कहा कि उस समय की सरकार ने जम्मू - कश्मीर जाने के लिए परमिट प्रथा शुरू की। सरकार की क्या सोच थी कि उस हिस्से को देश से अलग करना चाहते थे। परंतु डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने परमिट प्रथा का विरोध किया और कहा कि इस देश में दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे। वे यात्रा लेकर निकल पड़े और बिना परमिट के जम्मू -कश्मीर में चले गए। उन्हें अपनी कुबार्नी देनी पड़ी, तब जाकर परमिट प्रथा समाप्त हुई उसके बाद भी लंबे समय तक इस देश में दो संविधान, दो प्रधान और दो निशान चलते रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुच्छेद 370 को समाप्त कर एक संविधान, एक प्रधान और एक निशान के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को पूरा किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग की लगाई गई एक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज परिसर में पौधारोपण किया।

गुरुग्राम: हरियाणा पुलिस को मिलेंगे 783 नए सिपाही

गुरुग्राम/हरियाणा वाटिका एजेंसी

पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र भौंडसी में आगामी 28 जून को 783 रिक्रूट सिपाहियों की पासिंग आउट परेड आयोजित की जाएगी। इनमें 519 पुरुष एवं 264 महिला सिपाही शामिल हैं। पासिंग आउट परेड के साथ ही हरियाणा पुलिस को ये 783 महिला, पुरुष सिपाही मिल जाएंगे। इस दीक्षांत समारोह में भारत सरकार के गृह सचिव, गोविन्द मोहन मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। आरटीसी भौंडसी के महानिरीक्षक बी. सतीश बालन ने बुधवार को बताया कि सभी रिक्रूट सिपाही परेड के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इन सिपाहियों को प्रशिक्षण के दौरान कानून, ड्रिल, कम्प्यूटर, चुनाव ड्यूटी, हथियारों एवं बिना हथियारों के आत्मरक्षा, बेतार यंत्रों का संचालन, फायर फाइटिंग, भीड़ प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा एवं प्राकृतिक आपदा प्रबंधन जैसे विविध क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इसके साथ ही इन सिपाहियों को योग, स्मार्ट पुलिसिंग, कम्युनिटी पुलिसिंग, मानव अधिकार, लिंग भेद और मानव व्यवहार जैसे विषयों पर भी व्यापक रूप से प्रशिक्षित किया गया है, जिससे ये सिपाही समाजसेवा के लिए एक सशक्त, संवेदनशील एवं उत्तरदायी पुलिस बल के रूप में कार्य करने के लिए तैयार हैं। रिक्रूट बेसिक कोर्स बैच संख्या 17/आरटीसी भौंडसी के अंतर्गत यह प्रशिक्षण पूर्ण हुआ है। उन्होंने कहा कि इन प्रशिक्षित सिपाहियों के बल पर हरियाणा पुलिस की कार्यक्षमता एवं प्रभावशीलता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी।

पानीपत में लोगों को लूटने वाला फर्जी डीएसपी गिरफ्तार

पानीपत/हरियाणा वाटिका एजेंसी

पानीपत पुलिस ने पंचकूला इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो के फर्जी डीएसपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने सिक्योरिटी एजेंसी संचालक को लाखों रुपए का चूना लगा दिया। आरोपी की पहचान सुमित आहूजा निवासी 8 मरला पानीपत के रूप में हुई है। डीएसपी सतीश वत्स ने बुधवार को बताया कि पकड़े गए आरोपी ठग आठ मारला कालोनी में जगह बदल-बदल कर किराए के मकान में रहता था। वह खुद को पंचकूला इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो का डीएसपी बताकर लोगों को ठगता था।

प्रदेश में डॉक्टरों की कमी को किया जा रहा है पूरा:आरती सिंह राव

स्वास्थ्य मंत्री बोली, प्रदेश में लिंगानुपात में सुधार करना पहली प्राथमिकता

रोहतक/हरियाणा वाटिका एजेंसी

प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता दिवंगत परमेश्वरी देवी के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया। उन्होंने बुधवार को सिंधु भवन पहुंचकर दिवंगत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि दिवंगत परमेश्वरी देवी की सबसे बड़ी देन यही है कि उनके परिवार में 90 से अधिक सदस्य होने के बावजूद भी सिंधु

परिवार एक छत के नीचे रह रहा है तथा परिवार की सांझा रसोई चल रही है। दिवंगत परमेश्वरी देवी ने अपने परिवार को अच्छे संस्कार दिए। आज भी यह परिवार संयुक्त परिवार के रूप में एकजुटता से रह रहा है। यह इस परिवार की बहुत बड़ी विरासत है। उन्होंने आशा व्यक्त की सिंधु परिवार भविष्य में भी इस विरासत को कायम रखेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में पीजीआई के साथ-साथ सभी सिविल अस्पतालों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करवाने के प्रयास किए जा रहे है।

सरकार ने ग्रुप सी के रिक्त पदों का मांगा ब्यौरा, उसके बाद ग्रुप डी को मिलेगा प्रमोशन

चंडीगढ़

ग्रुप सी के रिक्त पदों की जानकारी नहीं देने पर हरियाणा सरकार ने 21 विभागों को नोटिस जारी किया है। इस नोटिस के माध्यम से अंतिम रिमाइंडर भेजकर सभी विभागों ने गुरुवार शाम तक ग्रुप सी के पदों की जानकारी मांगी गई है। विभागों की ओर से जानकारी नहीं दिए जाने पर ग्रुप डी के कर्मचारियों की प्रमोशन नहीं हो पा रही है। सरकार ने ग्रुप डी का कॉमन कैडर बनाया हुआ है। ग्रुप डी में जो उम्मीदवार अब चयनित होकर नियुक्त होते हैं, उनका राज्य स्तर पर कैडर बनता है।

इस कैडर में मेरिट सूची अनुसार वरिष्ठता होती है। सरकारी विभागों में कार्यरत ग्रुप डी के कर्मचारी लगातार ग्रुप सी पदों पर पदोन्नति की मांग कर रहे हैं। उनकी मांग को देखते हुए मुख्य सचिव ने विभागाध्यक्षों से ग्रुप सी के रिक्त पदों की जानकारी मांगी है, जिन पदों पर ग्रुप डी के कर्मचारियों को पदोन्नति दी जा सकती है। इसमें जानकारी मांगी गई है कि ग्रुप सी के कुल कितने पद स्वीकृत हैं। इनमें से कितने पद प्रमोशन से भरे जाने हैं। उनमें से कितने पद रिक्त हैं। जो ग्रुप डी के कर्मचारी कॉमन कैडर से पहले से नियुक्त हैं, उनकी संख्या कितनी है। यह जानकारी मिलने के बाद ही ग्रुप डी के कॉमन कैडर में पदोन्नति होगी। अधिकारियों को भेजे गए पत्र में साफ किया गया है कि गुरुवार की शाम तक ग्रुप सी का पदों का ब्यौरा भेजा जाए। अन्यथा इस संबंध में मुख्य सचिव को आगामी कार्रवाई हेतु रिपोर्ट भेज दी जाएगी।

मुख्य सचिव कार्यालय ने कृषि विभाग, आर्ट एवं कल्चर विभाग, सांख्यिकी विभाग, सहकारिता विभाग, सीआईडी, फूड एवं ड्रग्स प्रशासनिक विभाग, विदेश सहयोग विभाग, गैजेट्स आगेनाइजेशन, राजभवन, शिकायत निवारण विभाग, हाउसिंग फॉर आल विभाग, सूचना, तकनीकी, इलेक्ट्रानिक्स एवं कम्यूनिकेशन, मेडिकल एजुकेशन, पंचायती राज, पावर विभाग, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, स्टेट विजिलेंस ब्यूरो, नगर एवं योजना विभाग, परिवहन और विजिलेंस विभाग से जानकारी मांगी गई है।

गुरुग्राम: कांग्रेस ने आपातकाल लगा लोकतंत्र को तानाशाही में बदला : राव इंद्रजीत

के दौरान केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के साथ जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, विधायक मुकेश शर्मा, मेयर राजरानी मल्होत्रा और जिला उपाध्यक्ष अजीत यादव मौजूद रहे। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि आपातकाल के दौरान एक करोड़ सात लाख लोगों की नसबंदी की गई। 26 हजार नेताओं के अलावा दो लाख लोगों को आपातकाल का विरोध करने पर जेलों में ठूंसा गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इस काले अध्याय में न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को रौंदा, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलकर यह स्पष्ट कर दिया कि जब-जब कांग्रेस की सत्ता संकट में होती है, कांग्रेस संविधान और देश की आत्मा को ताक पर रखने से पीछे नहीं हटते। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा

इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने की हताशा में देश पर थोपा था आपातकाल

गुरुग्राम/हरियाणा वाटिका एजेंसी

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर यहां भाजपा कार्यालय में बुधवार को पत्रकार वार्ता में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने की हताशा में देश पर आपातकाल थोपा था। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति की आड़ लेकर अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किया। इस दौरान गोष्ठी भी आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि आपातकाल लगाना राजनीतिक दृष्टि से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का घातक निर्णय था। प्रेसवार्ता

हरियाणा सरकार ने 13 जिला राजस्व अधिकारी बदले

चंडीगढ़

भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे प्रदेश सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रदेश के 13 जिला राजस्व अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। कथित भ्रष्ट कर्मचारियों की सूची सार्वजनिक होने और रजिस्ट्री के नियमों की अनदेखी के आरोपों से घिरा राजस्व विभाग ने यह कदम उठाया है। विभाग ने भ्रष्टाचार मामले में पानीपत के डीआरओ रणविजय सिंह सुल्तानिया सहित 27 लोगों के खिखाफ फतेहाबाद में केस दर्ज कराया है।

दरअसल, राजस्व विभाग में बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी ऐसे हैं जिनके विरूद्ध विभागीय जांच चल रही है। हरियाणा सरकार ने बुधवार को विभाग के 13 अधिकारियों के स्थानांतरण कर दिए हैं। इन आदेशों के अनुसार रोहतक के जिला राजस्व अधिकारी कनब लाकड़ा को पानीपत, झज्जर के डीआरओ प्रमोद चहल को रोहतक, फरीदाबाद के डीआरओ सुशील शर्मा को भिवानी, गुरुग्राम म्युनिसिपल कॉरपोंशन से मनबीर को झज्जर, हिसार के डीआरओ विजय कुमार को गुरुग्राम, अंबाला के डीआरओ विकास को फरीदाबाद, राजेश ख्यालिया को अंबाला, स्टेशन का इंतजार कर रहे डीआरओ नरेश को हिसार ट्रांसफर किया है। इसी प्रकार नूंह के डीआरओ जोगिंद्र शर्मा को अर्बन लोकल बॉडी पंचकूला, एचईपीसी से डीआरओ हर्ष खनगवाल को डायरेक्टर कंसोलिडेटेशन पंचकूला, अर्बन एस्टेट फरीदाबाद से डीआरओ बिजेंद्र राणा को एसओ जुई कैनाल भिवानी, फतेहाबाद के डीआरओ श्यामलाल को गुरुग्राम म्यूनिसिपल ऑफिस और पानीपत के डीआरओ रणविजय सुलतानिया को नूंह भेजा गया है। विभाग ने भ्रष्टाचार केस में फंसे रणविजय सिंह सुल्तानिया सहित 27 लोगों पर किसानों की मुआवजा राशि में गोलमाल करने के आरोप में फतेहाबाद में मामला दर्ज किया गया है। इस केस में रणविजय के अ

लावा नायब तहसीलदार, पटवारी, कानूनगो को भी मुख्य आरोपी बनाया गया है।

गुरुग्राम: सभी सीएससी केंद्रों पर कॉमन ब्रांडिंग व रेट लिस्ट लगाना अनिवार्य

गुरुग्राम/हरियाणा वाटिका एजेंसी

जिला के सभी सीएससी केंद्रों पर दी जा रही विभिन्न सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने व निर्धारित वर्ग को केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से डीसी अजय कुमार ने सभी केंद्रों पर कॉमन ब्रांडिंग और रेट लिस्ट लगाने के निर्देश दिए हैं। डीसी अजय कुमार ने नागरिकों की सुविधा के लिए जरूरी सेवाओं जैसे विवाह पंजीकरण, रिहायशी प्रमाण पत्र, बीसी, ओबीसी प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र सहित अन्य सेवाओं का लाभ लेने के लिए सीएससी केंद्र स्थापित किए गए हैं।

आपातकाल ने भारत के लोकतंत्र को खतरे में डालाः महिपाल ढांडा

जगाधरी के अग्रसेन कॉलेज में जिला भाजपा ने किया कार्यक्रम आयोजित, 25 जून को मनाया गया संविधान हत्या दिवस

यमुनानगर/हरियाणा वाटिका एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी जिला यमुनानगर द्वारा 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल एमरजेंसी के दिवस को संविधान हत्या दिवस के रुप में जिला स्तरीय कार्यक्रम अग्रसेन कॉलेज, जगाधरी में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा, पंचकूला मेयर कुलभूषण गोयल व विशिष्ट अतिथि के तौर पर

कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा, विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा रहे।

हरियाणा सरकार कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा ने बुधवार को कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस की तत्कालीन सरकार प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा भारत में आपातकाल की घोषणा की गई थी, जिसने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को खतरे में डाल दिया था। इस अवसर पर, हम आपातकाल के दौरान देश के लिए लड़ने वाले नेताओं और कार्यकताओं को याद करते हैं और उनके बलिदानों को सलाम करते हैं। उन्होंने कहा कि आपातकाल ने भारत के लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया था और नागरिकों के अधिकारों को सीमित कर दिया था।आपातकाल के दौरान नागरिकों के मानवाधिकारों का जमकर हनन हुआ था और कई लाख निर्दोष लोगों को जेल में डाला गया था, आपातकाल के दौरान मीडिया की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया था और उस समय सरकार के खिलाफ कोई खबर नहीं चलाई जा सकती थी। आपातकाल के बाद, जनता के आंदोलन से भारत देश में लोकतंत्र की बहाली हुई और नागरिकों के अधिकारों को फिर से बहाल किया गया। 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में घोषित किया जाना, उन 19 महीनों की अवधि की मार्मिक याद दिलाता है जब भारत के संविधान को 25 जून 1975 में आपातकाल एमरजेंसी लगाकर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गाँधी द्वारा कमजोर किया गया था।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में घोषित किया जाना, उन 19 महीनों की अवधि की मार्मिक याद दिलाता है जब भारत के संविधान को 25 जून 1975 में आपातकाल एमरजेंसी लगाकर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गाँधी द्वारा कमजोर किया गया था,कांग्रेस और इंदिरा गांधी के आपातकाल में जो हुआ, वह केवल राजनीतिक दमन नहीं था – वह था भारत के गरीबों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, दलितों और हर उस आवाज पर हमला, जो "राज परिवार" के खिलाफ उठी।

बाबा गिरधारी नाथ महाराज की पुण्यतिथि मनाई धूमधाम से

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 25 जून। गुरु गोरखनाथ धाम में बाबा गिरधारी नाथ महाराज की 38वीं पुण्यतिथि ब?ी धूमधाम के साथ मनाई गई। इसके उपलक्ष्य में हवन यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें कई राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने बाबा गिरधारीनाथ के समाध पर माथा टेका। वहीं धाम में गद्दीनसीन बाबा तेजनाथ महाराज के समक्ष माथा टेक आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर बाबा तेजनाथ ने बताया कि धाम के सप्तम गुरु गद्दीनसीन बाबा गिरधारी नाथ महाराज की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में हवनयज्ञ के बाद योगवशिष्ठ का पाठ सम्पन्न कराया गया। वहीं भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर प्रहलादभगत शर्मा, बलदेव शर्मा जवाहरलाल बंसल, डाक्टर पवन बंसल, विनोद गोयल, राजेंद्र कुमार, डाक्टर विवेक अरोडा, डाक्टर पाल, सूरज बंसल, रामचंद्र कोमल, सपन बंसल, पवन शास्त्री, अशोक कोचर, अमित बंसल, रेशम थिंद आदि मौजूद रहे।

रेडक्रॉस कार्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 25 जून। उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस समिति के प्रधान डा. विवेक भारती के मार्गदर्शन में आज अमर उजाला के सहयोग से रेडक्रॉस कार्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। नगराधीश मंजीत कुमार ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व किसान युवा क्लब से अमित पिलानिया ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। रक्तदान शिविर में 35 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

नगराधीश मंजीत कुमार ने कहा कि रक्तदान का जीवन में बहुत महत्व है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाने के लिए रक्त एक अनमोल उपहार है। रक्तदान करके आप किसी दुर्घटना, सर्जरी या बीमारी से पीड़ित व्यक्ति की मदद कर सकते हैं।

इस अवसर पर रेडक्रास सोसायटी से डा. एसपी सिंह व जिला प्रशिक्षण अधिकारी प्रेमप्रकाश शर्मा, अमर उजाला से ब्यूरो चीफ प्रेम शर्मा, पुनीत भारद्वाज, पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा, शिक्षक ट्रस्ट से संजय शर्मा, मनीष गोगिया, सिकन्दर, गहली, मनीष गर्ग, एसपी शर्मा, क्रान्ति निर्मल, प्रधान टींकू, रेडक्रास फर्स्ट एड प्रवक्ता अजित यादव, राजेश कुमार व कपिल मौजूद थे।

गुजवि के तीन विद्यार्थियों को 9.4 लाख वार्षिक पैकेज के साथ चयनित किया गया

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 25 जून। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से हुए नेशनल बिस्कुट इंडस्ट्रीज लिमिटेड नाबिल ओमान के ऑन-कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के तीन विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय प्लेसमेंट प्राप्त करके ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को बधाई दी तथा कहा कि यह गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय प्लेसमेंट हासिल करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का नवीनतम पाठ्यक्रम, उद्योग-संरेखित शिक्षा एवं विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा विद्यार्थियों को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार करने में सहायक है। कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने भी इस उपलब्धि की सराहना की और विद्यार्थियों व शिक्षकों की लगन और कड़ी मेहनत की प्रशंसा की। प्लेसमेंट प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट टॉक, समूह चर्चा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार शामिल रहे। प्लेसमेंट ड्राइव में बीटेक, एमएससी व बीवोक फूड टेक्नोलॉजी के 20 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्री-प्लेसमेंट वार्ता के दौरान एचआर प्रमुख ऐमान हामिद ने बताया कि नेशनल बिस्कुट इंडस्ट्रीज लिमिटेड नाबिल ओमान में एक जाना-पहचाना नाम है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक है और उपभोक्ताओं के साथ इसका गहरा भावनात्मक जुड़ाव है। कंपनी के बिस्कुट, वेफर्स और स्नैक्स ओमान में दैनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। प्लेसमेंट प्रक्रिया के अंतिम चरण में तीन विद्यार्थियों का चयन किया गया है। गुजविप्रौवि खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व विद्यार्थी उत्पादन हेड संतोष भाकर एवं एचआर हेड ऐमान हामिद के नेतृत्व में आए कंपनी प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति से मुलाकात की और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और प्रशिक्षण मानकों की सराहना की। प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने उनका स्वागत किया और भविष्य के सहयोग के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने नेशनल बिस्कुट इंडस्ट्रीज लिमिटेड (नाबिल) ओमान की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया तथा खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षा प्रो. अराधिता बर्मन रे, वरिष्ठ प्राध्यापक अलका शर्मा, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट समन्वयक डॉ. उस्मान अली तथा डॉ. अनीता खटक के निरंतर सहयोग की सराहना की। सहायक निदेशक प्लेसमेंट डॉ. आदित्य वीर सिंह ने बताया कि चयनित विद्यार्थी बीटेक खाद्य प्रौद्योगिकी के मनु व गौरव तथा बीवोक फूड प्रोसेसिंग के सुमित हैं, जिन्हें ओमान के एक प्रमुख एफएमसीजी ब्रांड नेशनल बिस्कुट इंडस्ट्रीज लिमिटेड में 4200 ओएमआर प्रति वर्ष के पैकेज के साथ प्लेसमेंट की पेशकश की गई है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग ?9.4 लाख प्रतिवर्ष है। प्लेसमेंट ड्राइव का समन्वय बीटेक एफटी के विद्यार्थी गौरव द्वारा किया गया।

विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से करवाया अवगत

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 25 जून। उच्चतर शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार भगवान परशुराम महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा उन्हें नशा न करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प दिलाना था। कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थियों ने एक स्वर में नशा न करने की शपथ ली। मुख्य वक्ता दिलबाग सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि युवा पीढ़ी ठान ले कि वे स्वयं नशा नहीं करेंगे और अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभाव समझाएंगे, तो हमारा देश निश्चित ही नशा मुक्त हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि युवा राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं और यदि यह ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगे तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। कॉलेज प्राचार्य प्रो. शीशपाल ने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में स्वस्थ आदतों को अपनाएं और नशे जैसी बुराइयों से सदैव दूर रहें। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित युवा ही समाज को सही दिशा दिखा सकता है। कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षक डॉ. भारती, डॉ. वेद पाल, डॉ. संदीप एवं अनेक छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति का इलाज न करने वाले अस्पताल संचालकों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई : नेहा सिंह

जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 25 जून। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि सरकार के आदेशानुसार पैनल के निजी अस्पतालों को सडक दुर्घटना में घायल लोगों का निर्धारित नियमों के अनुसार इलाज करना होगा। इन आदेशों और नियमों की अवहेलना करते हुए कुरुक्षेत्र के कुछ निजी अस्पताल घायलों का इलाज नहीं कर रहे। ऐसे अस्पतालों पर अब सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इसके लिए पुलिस और अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को सख्त आदेश भी दिए गए है। उपायुक्त नेहा सिंह बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में जिला सडक सुरक्षा समिति की मासिक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले आरटीए विभाग के निरीक्षक जोगिन्द्र ने एजेंडे को हाउस के समक्ष रखा और विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट को भी हाउस के समक्ष रखा। उपायुक्त नेहा सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में बनने वाले स्पीड ब्रेकरों की मौके पर निरीक्षण करने के बाद रिपोर्ट तैयार करे, ताकि रिपोर्ट के अनुसार सडक दुर्घटना को रोकने के लिए स्पीड ब्रेकरों का निर्माण किया जा सके। इसके अलावा नगर परिषद द्वारा बनाए गए स्पीड ब्रेकरों की रिपोर्ट भी तैयार की जाए। उन्होंने एनएएचआई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि एनएच-44 पिपली चौक के सौंदर्यीकरण का कार्य जल्द किया जाए।

इसके साथ ही एनएएचआई के अधिकारी शाहबाद पिपली के सर्विस रोड पर पानी निकासी के प्रबंधों को भी दुरूस्त करेंगे। उपायुक्त ने लघु सचिवालय से पानी निकासी करने के सख्त आदेश देते हुए कहा कि सम्बन्धित विभाग के अधिकारी मौके का जायजा ले। उन्होंने रोड सेफ्टी से सम्बन्धित अधूरे कार्य को जल्द से जल्द पूरे करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय अवधि में पूरे किए जाए। इस मौके पर एडीसी महावीर प्रसाद, एसडीएम पंकज सेतिया, एसडीएम डा. चिनार चहल, नगराधीश डा. रमन गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

गलत साइड में वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कसने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने के आदेश

उपायुक्त नेहा सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एनएच-44 या अन्य मार्गों पर रांग साईड वाहन चलाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इन वाहन चालकों का चालान करने के लिए पुलिस को आदेश दिए गए है। इसके साथ ही एनएच-44 व अन्य मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के आदेश दिए है ताकि गलत साईड से आने वाले वाहनों पर शिकंजा कसा जा सके।

लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि एनएच-44 पिपली चौक पर सडक दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एनएचएआई की तरफ से सडक को चौड़ा करने का काम किया जाएगा। इस कार्य को लेकर नगराधीश की अध्यक्षता में वन विभाग, बिजली विभाग, नगर परिषद, पिपली पैराकिट सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौके का जायजा लेंगे। इतना ही नहीं बिजली विभाग, वन विभाग और लोक निर्माण विभाग, एनएएचआई को कार्य करने के लिए आगामी 3 दिनों में एनओसी उपलब्ध करवाएगा। अगर इस मामले में लापरवाही बरती तो सम्बन्धित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उपायुक्त नेहा सिंह ने रोड सेफ्टी के एजेंडा बिन्दु नंबर 12 पर चर्चा करने पर पाया कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारी केवल मुख्यालय चिटठियां भेजने तक ही सीमित रह गए है, जबकि 28 अप्रैल 2023 से नए बस स्टैंड के सामने प्रतापगढ़ को जाने वाली सडक पर सडक सुरक्षा को लेकर कार्य किया जाने का मामला लम्बित है। इस विषय को गंभीरता से लेते हुए और लापरवाही बरतने पर लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश देते हुए नोटिस की कॉपी अतिरिक्त मुख्य सचिव को भेजने के निर्देश दिए है।

नगर परिषद के कार्यकारी अभियंता के साथ-साथ गैर हाजिर रहने वाले अधिकारियों को भी जारी होगा नोटिस

उपायुक्त नेहा सिंह ने एजेंडा नंबर 10 के विषय पर फीडबैक लेने के उपरांत आदेश दिए कि प्रतीत हो रहा है कि नगर परिषद के अधिकारी हाउस के अधिकारियों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे है और सडकों के गढ्ढ़ों के साथ-साथ अन्य कार्यों का सही जवाब भी हाउस के समक्ष रखने में असमर्थ है। इस मामले में लापरवाही बरतने पर नप कार्यकारी अभियंता कारण बताओ नोटिस जारी करने के साथ-साथ मीटिंग में गैर हाजिर रहने पर अन्य अधिकारियों को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है।

गुजवि में चार वर्षीय इंटेग्रेटिड टीचर्स एजुकेशन प्रोग्राम के अंतर्गत बीएससी-बीएड व बीए-बीएड कोर्सों के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू

आवेदन के लिए पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 25 जून। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए चार वर्षीय इंटेग्रेटिड टीचर्स एजुकेशन प्रोग्राम आईटीईपी के अंतर्गत बीएससी-बीएड व बीए-बीएड कोर्सों के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि आईटीईपी के अंतर्गत बीएससी-बीएड तथा बीए-बीएड दोनों ही कोर्सों में रोजगार की अपार संभावनाएं है। शिक्षा मंत्रालय के एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत

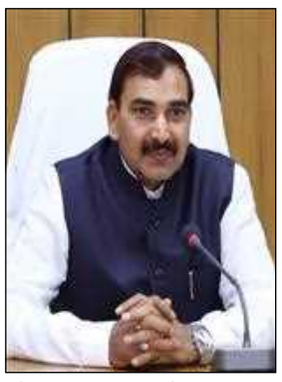

कौशलयुक्त शिक्षक तैयार करने के लिए ये कोर्स शुरू किए गए हैं। विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शोध व शिक्षण व्यवस्था है। विश्वविद्यालय में विज्ञान व तकनीकी कोर्सों के साथ-साथ कला व प्रबंधन के प्रतिष्ठित कोर्सों का संचालन हो रहा है। विश्वविद्यालय भविष्य के लिए श्रेष्ठ शिक्षक तैयार कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तैयार है। गुजविप्रौवि 21वीं सदी के लिए उपयोगी मानकों और कौशल के निर्धारण में अपनी विशेषज्ञता रखता है। इन कोर्सों में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को इस विशेषज्ञता का भविष्य में श्रेष्ठ शिक्षक बनने का फायदा होगा। शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. वंदना पूनिया ने बताया कि इन कोर्सिज में दाखिला नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एनटीए द्वारा संचालित नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट एनसीईटी के आधार पर किया जाएगा। दाखिले के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 24 जुलाई है। दाखिलों के लिए संभावित मेरिट लिस्ट 16 जुलाई 2025 को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी। पहली काउंसलिंग 18 जुलाई, दूसरी काउंसलिंग 22 जुलाई तथा तीसरी काउंसलिंग 24 जुलाई को होगी। ओपन काउंसलिंग 29 जुलाई को होगी।

आरटीए विभाग ने ओवरलोडिड वाहनों पर किया 86.5 लाख रुपए जुमार्ना : नेहा सिंह

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 25 जून। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि ओवर लोडिड वाहनों की चालकों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सभी वाहन चालक नियमानुसार ही वाहनों में समान को लोड करें, अगर किसी भी स्तर पर नियमों के विपरीत ओवर लोडिड वाहन पाए गए तो सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अहम पहलू यह है कि आरटीए विभाग ने मई-2025 माह में 230 ओवर लोडिड वाहन चालकों से 86 लाख 50 हजार रुपए का जुमार्ना वसूल किया है। उपायुक्त नेहा सिंह ने बुधवार को रोड सेफ्टी की मासिक बैठक में जानकारी देते हुए कहा कि आरटीए विभाग की तरफ से लगातार वाहनों की चेकिंग का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए विभाग की तरफ से विशेष टीम का गठन किया गया है, जो दिन-रात ओवरलोडिड वाहनों पर नजर रखती है। इस टीम के प्रयासों से मई-2025 माह में 230 ओवर लोडिड वाहनों के चालान किए है और इन चालानों से विभाग ने 86 लाख 50 हजार रुपए की राशि का जुमार्ना भी वसूल किया है।

सर्वप्रथम वर्ष 2014 से लेकर 2024 तक के बजट का हिसाब सार्वजनिक किया जाए : अकाल पंथक मोर्चा

बोले : बगैर किसी तैयारी के वर्ल्ड यूनिवर्सिटी बनाने की बात कर रहे एचएसजीएमसी प्रधान

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 25 जून। अकाल पंथक मोर्चा के वरिष्ठ नेता एवं एचएसजीएमसी सदस्य प्रकाश सिंह साहुवाल ने कहा कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी (एचएसजीएमसी) के प्रधान जगदीश सिंह झींडा बगैर किसी तैयारी के वर्ल्ड यूनिवर्सिटी बनाने की बात कर रहे हैं। इतना ही नहीं, एचएसजीएमसी के पास बजट न होने पर वे कभी जमीन गिरवी रख ऋण लेने की बात कह रहे हैं, तो कभी सोना गिरवी रख ऋण लेने की बात कर रहे हैं। एचएसजीएमसी मुख्यालय में बुलाई एक बैठक में 16 सदस्यों द्वारा कई घंटे किए मंथन के बाद प्रकाश सिंह साहुवाल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश के गुरुद्वारों के पास करीब

2500 एकड़ जमीन है, जो संगत की ओर से दान में दी गई है। इस जमीन पर ऋण लेना सही नहीं है। उन्होंने यूनिवर्सिटी खोलने से पहले सालों से चले आ रहे स्कूल और कालेजों की हालत में सुधार करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम वर्ष 2014 से लेकर 2024 तक के बजट का हिसाब सार्वजनिक किया जाए। वहीं, एचएसजीएमसी सदस्य हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि गत वर्ष बजट के पौने 3 करोड़ रुपये का कहीं कोई हिसाब-किताब नहीं है। एक विशेष खर्च तक 2.75 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, इनमें से मात्र 25 लाख रुपये के खर्च का ही ब्यौरा दिया गया है। यह संगत का पैसा है। इस रकम का पूरा हिसाब-किताब दिया जाए। संगत ने उन्हें वोट देकर एचएसजीएमसी सदस्य बनाया है। संगत ने यह पैसा गुरु घरों के प्रबंध को बेहतर करने के लिए दिया है। संगत के इस पैसे के हिसाब-किताब को सार्वजनिक किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने एमरजेंसी के 50 वर्ष पूरा होने पर मनाए जाने वाले किसी भी राजनीतिक कार्यक्रम में संगत के पैसे को खर्च न करने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि पहले एचएसजीएमसी की इन्कम को बढ़ाया जाए, इसके बाद नई योजनाओं पर काम किया जाए। इस अवसर पर दीदार सिंह नलवी सहित अकाल पंथक मोर्चा के 16 सदस्य मौजूद रहे।

समिति सदस्यों ने मीठे जल की लगाई छबील

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 25 जून। सर्व समाज कल्याण सेवा समिति ने मार्कण्डेय मंदिर में बाल संस्कार केंद्र द्वारा जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाने के लिए चलाए जा रहे स्कूल में छबील सेवा लगाई। कार्यक्रम में सभा के प्रधान राजेश सिंगला, मदन लाल कथूरिया, नरेश शर्मा, रनबीर वर्मा, पीयूष राव, इंदर मोहन वशिष्ठ, नरेंद्र गौड, सविता मदान, कांता पोपली और बाल संस्कार केंद्र के संचालक नरेंद्र शर्मा, अजय, सुगंध और हिमांशी मौजूद रही। कार्यक्रम में बच्चों ने धार्मिक भजन, नृत्य, कविता और भाषण की प्रस्तुति भी दी। सभा द्वारा भविष्य में धार्मिक, एकल नृत्य और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन करवा कर बच्चों में प्रोत्साहन का प्रयास किया जाएगा।

हकृवी के विद्यार्थियों-सरकार के बीच सहमति : मंत्री ढांडा के आश्वासन पर माने

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 25 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और सरकार के बीच सहमति बन गई है। विद्यार्थियों की आठों मांगों को पूरा कर लिया गया है। छात्र संगठन का दावा है कि सरकार ने हकृवी के वीसी को लंबी छुट्टी पर भेजने की बात कही है।

वहीं सरकार से एक मंत्री का प्रतिनिधिमंडल आज शाम तक विद्यार्थियों से मिलेगा।द इसके लिए सरकार की ओर से कमेटी बना दी गई है। जो मामले की पूरी जांच करेगी। इसमें रिटायर्ड जज और एक आईपीएस शामिल होगा। छात्र संगठन के विद्यार्थि ने कहा कि बुधवार सुबह से ही शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा व छात्र कमेटी के बीच बातचीत चल रही है। जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

छात्रों ने 2 दिन का दिया था अल्टीमेटम

बता दें कि पहले छात्रों ने प्रशासन को 2 दिन का अल्टीमेटम दिया था। मांगें पूरी न होने पर 27 जून को विश्वविद्यालय बंद करने की घोषणा की थी। इसको लेकर छात्र जनसमर्थन भी जुटा रहे हैं। अब तक करीब 60 संगठनों ने छात्रों के आंदोलन को समर्थन दिया है। छात्र संगठनों का कहना है कि 27 जून को सभी छात्र-छात्राएं मुख्य द्वार पर धरने पर बैठेंगे। किसान और अन्य संगठनों के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के चारों गेट बंद कर दिए जाएंगे। इस दौरान प्रशासनिक कार्य भी बंद रहेगा।

आंदोलन को मिला व्यापक समर्थन

किसान नेता राकेश टिकैत ने विद्यार्थियों पर दबाव बनाने पर देशभर से ट्रैक्टर लाने की चेतावनी दी। जजपा नेता दिग्विजय चौटाला, इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला और कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला ने समर्थन किया। वहीं कर्मचारी, किसान-मजदूर और धार्मिक व सामाजिक संस्थाएं भी साथ आईं हैं।

छात्र स्कॉलरशिप की मांग को लेकर धरने पर बैठे थे। रजिस्ट्रार की मौजूदगी में प्रोफेसर और सिक्योरिटी गार्ड द्वारा लाठीचार्ज के विरोध में आंदोलन शुरू हुआ। छात्रों की मांग है कि कुलपति को हटाया जाए और आरोपियों को निलंबित कर कार्रवाई की जाए। हालांकि प्रोफेसर और सिक्योरिटी गार्ड को हटा दिया गया है और सरकारी कमेटी ने छात्रों से बात भी की, लेकिन कोई सहमति नहीं बन पाई थी।

आपातकाल संविधान हत्या दिवस के रूप में हमेशा याद किया जाता रहेगा : सुभाष बराला

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 25 जून। भारतीय इतिहास का 25 जून 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र में एक काले अध्याय के रूप में याद किया जाता है। आज जब हम इस दिन को 50 वर्षों के बाद याद कर रहे हैं, तो यह दिन न केवल इतिहास की एक काली छाया का प्रतीक बन गया है, बल्कि यह एक चेतावनी भी है कि हमे किसी भी शासक को लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ करने का अवसर नहीं देना चाहिए।

राज्य सभा सांसद सुभाष बराला ने जिले के प्रेस वार्ता में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि किस प्रकार उस समय राष्ट्रपति के हस्ताक्षरों से आपातकाल की घोषणा की गई थी। सुभाष बराला ने कहा कि 25 जून 1975 का वह दिन संविधानिक हिंसा का दिन था, जब भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को नष्ट करने की साजिश रची गई थी। आज के इस दिन को काला दिवस के रूप में मनाने की आवश्यकता है ताकि आने वाली पीढि?ं यह समझ सकें कि कैसे एक समय लोकतंत्र को एक व्यक्ति की इच्छाओं और सत्ता के लोभ में नष्ट कर दिया गया था।

सुभाष बराला ने कहा कि 1975 में गुजरात और बिहार में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बड़े आंदोलन हो रहे थे, जिससे कांग्रेस के खिलाफ व्यापक जन समर्थन पैदा हो रहा था। 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित कर दिया था, इसके बाद उनके लिए संकट और बढ़ गया था। उसी समय दिल्ली में एक ऐतिहासिक रैली का आयोजन हुआ था, जिसमें देश के प्रमुख नेता शामिल हुए थे। यह रैली अब तक की सबसे बड़ी रैली मानी जाती है। रात्रि को उसी दिन आपातकाल की घोषणा कर दी गई और देश के सभी प्रमुख नेताओं को जेल में बंद कर दिया गया। इसके साथ ही अखबारों पर सेंसरशिप लगा दी गई, और प्रेस के बिजली कनेक्शनों को काट दिया गया, जिससे कोई भी समाचार जनता तक न पहुँच सके। सुभाष बराला ने यह भी कहा कि जबरदस्ती नसबंदी के कारण कई लोगों की जान चली गई। मीसा के तहत राष्ट्रीय नेताओं को जेल में डालकर उन्हें यातनाएँ दी गईं। इस दौरान संविधान से छेड़छाड़ करते हुए बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के योगदान को अपमानित किया गया। यह केवल राजनीतिक प्रतिशोध का मामला नहीं था, बल्कि लोकतंत्र और संविधान का अपमान किया गया था। आज के इस अवसर पर हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हमें किसी भी शासक को आपातकाल की जैसी निरंकुशता की सोच को कभी भी उत्पन्न नहीं होने देना चाहिए। यह एक जागरूकता अभियान है ताकि आने वाली पीढि?ं को यह समझ में आए कि लोकतंत्र और संविधान की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है और हमें किसी भी शासक को इसे नष्ट करने का अवसर नहीं देना चाहिए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड, मेयर प्रवीण पोपली, पूर्व विधायक अनूप धानक, जिला महामंत्री संजीव रेवड़ी, मुकेश गोड़,सुरेश गोयल धूप वाला, सुदेश चौधरी, रवि सैनी, सरोज सिहाग, प्रोमिला पुनिया, डॉ.मीनू भूटानी, राज कुमार इंदोरा, पूर्व पार्षद भूप सिंह रोहिल्ला, विक्रम कासनिया आदि उपस्थित रहें।

पटेल नगर में मेनहोल का मलबा बना मुसीबत

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 25 जून। मेनहोलो से निकला मलबा लोगो के लिए बना मुसीबत। प्रशासन के आदेशानुसार बारिश के मौसम से पहले सभी सीवरेज के ढक्कन,मेनहोल की सफाई की जा रही है ताकि बारिश के मौसम में पानी की निकासी आसानी से हो सके। पब्लिक हेल्थ विभाग ने स्थानीय पटेल नगर मार्किट आठ मरला कालोनी में सीवरेज से मलबा निकलवाया गया मगर व मलबा उठाया नहीं गया।

लोगों ने नगर पार्षद राजेन्द्र बिड़लान से इस कि शिकायत की, नगर पार्षद राजेंद्र बिड़लान ने सम्बंधित अधिकारी से बात की और स्थिति से अवगत करवाया, सम्बंधित अधिकारी ने कहा कि ठेकेदार उनकी सुनता नहीं। नगर पार्षद राजेंद्र बिड़लान ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि सम्बंधित विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा बारिश आने पर यही मलबा वापिस मेनहोल में चला जाएगा।उन्होंने कहा कि पब्लिक हेल्थ के उच्च अधिकारियों को संज्ञान लेते हुए उक्त कार्य को शीघ्र करवाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कि शिकायत व उच्च अधिकारियों से भी करेंगे।

विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 25 जून। राजकीय महाविद्यालय चम्मू कलां में राष्ट्रीय सेवा योजना और महाविद्यालय की नशा मुक्त समिति द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा पुलिस के सब इंस्पेक्टर नसीब सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया और साथ ही नशा मुक्ति को लेकर हरियाणा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से संबंधित कानूनी प्रावधान भी बताए। उन्होंने कहा कि अगर आपके आसपास कोई नशे को बढ़ावा दे रहा है तो इसकी सूचना पुलिस को दे। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक कुलदीप कुमार, डॉ. सविता कुमारी और डॉ. किरण गर्ग ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया।

राहत की बरसी बौछार, मौसम हुआ सुहावना भीषण गर्मी से लोगों को मिली राहत, धान रोपाई के कार्य में भी आएगी तेजी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 25 जून। बुधवार सुबह से दोपहर तक रुक रुक कर हो रही बरसात से तापमान में आई गिरावट से मौसम सुहावना हो गया है। क्षेत्र में बुधवार को 25 एमएम बरसात दर्ज कर गई। सीजन की पहली अच्छी बरसात से शहर व क्षेत्र में बरसात का पानी जमा हो जाने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर में ठसका रोड, रोशनपुर रोड, काठगढ़ रोड पर पानी जमा होने से राहगीरों को काफी दिक्कत हुई। सुबह हुई बरसात से धान रोपाई के कार्य में जुटे किसानों के चेहरे भी खिल उठे है। अच्छी बरसात से धान रोपाई का कार्य भी तेज होगा। किसानों ने कहा कि बरसात से जहां धान रोपाई के कार्य में तेजी आएगी वहीं पहले रोपाई की गई धान का पौधा भी फुटाव अधिक करेगा। जहां एक तरफ किसानों को बरसात से काफी फायदा हुआ है वहीं मक्की व सूरजमुखी की फसल की उपज करने वाले किसानों को इस बरसात से काफी नुकसान होने का अनुमान है। अनाज मंडी में बिकवाली के लिए आई मक्के व सूरजमुखी की फसल भीग गई। झांसा अनाज मंडी में काफी मात्रा में पानी भर जाने से किसानों व आढ़तियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। मंडी प्रधान ज्ञानचंद व निर्दोष कक्कड़ का कहना है कि झांसा अनाज मंडी में बरसात के बाद पानी भर जाता है। इसके कारण काम ठप पड़ा है। इस बारे में कई बार मार्किट कमेटी सचिव से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन कोई समाधान नहीं हो रहा। आढ़तियों ने बताया बताया कि प्रशासन ने झांसा अनाज मंडी में 4 सालों से निकासी बोर की सफाई करवाई थी उसके बाद बोर की सफाई नहीं करवाई। जिससे बरसात के मौसम में मंडी तालाब का रूप ले लेती है।

क्या कहते है मार्केट कमेटी सचिव

जब इस बारे में मार्केट कमेटी सचिव अंकुर ठकराल से बात कि तो उन्होंने कहा कि मंडी में पानी भरने की सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे थे। मंडी से पानी निकालने के लिए पम्प सेट लगाया था जो पर्याप्त नहीं है। कल बड़ा पम्प स्थाई रूप से मंडी में लगा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नई मंडी उंची होने के कारण बरसात का सारा पानी पुरानी मंडी में आ जाता है। जिसके चलते यह समस्या बनती है। नई मंडी में शिफ्ट होने के बाद यह समस्या समाप्त हो जाएगी।

नशा मुक्ति अभियान के तहत विद्यार्थियों को दिलाई गई शपथ

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 25 जून। स्थानीय बनवारीलाल जिंदल सूईवाला महाविद्यालय में नशामुक्ति अभियान पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई वहीं विधार्थियों को नशा मुक्ति अभियान के तहत शपथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार भारद्वाज द्वारा किया गया।

इस मौके पर डॉ. भारद्वाज ने कहा कि नशा मानव जीवन के लिए एक अभिशाप है और इस अभिशाप को युवा वर्ग ही जड़ से खत्म कर सकता है। उन्होंने अपने सम्बोधन के साथ विधार्थियों को शपथ दिलाई और कहा कि आज से हर विधार्थी समाज को इस बुराई से जागरूक करेगा। इस अवसर पर डॉ. उमेद सिंह व एनसीसी अधिकारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने भी विधार्थियों को सम्बोधित किया। इस अवसर पर सुनील कुमार, सोमवीर, जितेन्द्र कुमार सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

कुवि में दाखिले के लिए 835 विद्यार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 25 जून। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रोग्राम्स में दाखिले के लिए चल रही प्रवेश परीक्षा बुधवार को 4 परीक्षा केन्द्रों पर संचालित की गई। इन परीक्षाओं में 82 फीसदी परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई जबकि एम.एस.सी. भौतिकी की प्रवेश परीक्षा में 85 प्रतिशत विद्यार्थी परीक्षा देने पहुंचे। इन सभी परीक्षाओं को नकल रहित संचालन के लिए कुवि प्रशासन द्वारा केन्द्र अधीक्षकों व पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया गया। इस बारे जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के दिशा-निर्देशानुसार आनुपातिक सत्र 2025-26 में विभिन्न विभागों/संस्थानों के पाठ्यक्रमों के लिए चल रही प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत सुबह 10 बजे एम.एस.सी. फॉरेंसिक साइंस की प्रवेश परीक्षा का संचालन भेषज्य विज्ञान संस्थान परीक्षा केन्द्र में किया गया, जिसमें 111 में से 85 परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे, जबकि दोपहर सत्र में विधि संस्थान व विधि विभाग में आयोजित हुई एम.एस.सी. गणित की प्रवेश परीक्षा में 247 परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

अपराध को बढ़ावा देती है नशे की प्रवृति, नशे की प्रवृति से रहें दूर: अशोक कुमार

-लोहारू पुलिस ने नशे के दुष्प्रभाव के प्रति आमजन को किया जागरूक

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 25 जून। पुलिस कप्तान के निदेर्शानुसार भिवानी जिले में नशामुक्त अभियान के तहत बुधवार को उपमंडल के गांव सोहांसड़ा में लोहारू पुलिस की टीम ने थाना प्रभारी अशोक कुमार के नेतृत्व में नशामुक्त हरियाणा अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया गया। थाना प्रभारी अशोक कुमार ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरुक करते हुए कहा कि नशा हमारे शरीर, परिवार, समाज और देश का सबसे बडा दुश्मन है, इससे दूर रहें और दूसरों को भी दूर रखें। नशे की लत लगने के कारण व्यक्ति को अपना शरीर, परिवार इत्यादि उसको कुछ दिखाई नहीं देता, वह नशे के लिए अपराध

करने से भी नहीं हिचकता और नशे के पीछे भाग कर अपनी जिन्दगी को बर्बाद कर लेता है। नशा पूरे परिवार को भी बर्बाद करता है, इसलिए घर के जिम्मेवार सदस्य होने के नाते अपने परिवार की तरफ ध्यान देकर नशे से बचें, नशा ना करने की शपथ लें। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि यदि कोई व्यक्ति नशे का सामान बेचता है तो उसकी सूचना तुरन्त पुलिस को दें ताकि नशा तस्करी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पता पूर्ण रुप से गुप्त रखा जाएगा। इस मौके पर सरपंच राजकुमार नागर, मा. राजेश डांगी सहित गांव के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया एम3एम फाउंडेशन की नींव से शिखर तक पहल का फ्लैग ऑफ

: प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों पर हरियाणा की 11 बेटियाँ बनेंगी पर्वतारोही

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

कुरुक्षेत्र, 25 जून। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों की प्रेरणादायक सेवा के उपलक्ष्य में एम3एम फाउंडेशन ने एक ऐतिहासिक पहल की है। फाउंडेशन ने हरियाणा की आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आने वाली 11 बेटियों को निःशुल्क पर्वतारोहण प्रशिक्षण का अवसर देकर उनके सपनों को पंख दिए हैं।

इन बालिकाओं का चयन 200 से अधिक आवेदनों में से किया गया। यह सभी प्रतिभाशाली बेटियाँ अब अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड एलायड स्पोर्ट्स, मनाली में 1 जुलाई से 26 जुलाई 2025 तक चलने वाले 26 दिवसीय बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स में भाग लेंगी।

इस विशेष कार्यक्रम को ह्यनींव से शिखर तकह्न नाम दिया गया है। इसका उद्देश्य है झ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की लड़कियों को पर्वतारोहण जैसी चुनौतीपूर्ण विधा में प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त और प्रेरणास्त्रोत बनाना। यह कार्यक्रम एम3एम फाउंडेशन द्वारा हर दो साल में चार बैचों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा, और उनमें से 5 चयनित बेटियों को माउंट एवेंरेस्ट ट्रैंकिंग का सुनहरा अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज कुरुक्षेत्र से इन बेटियों को 'फ्लैग ऑफ' कर उनके हौसले को सलाम किया और उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर एम3एम फाउंडेशन के अध्यक्ष ऐश्वर्या महाजन और फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. पायल कनोडिया भी उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर डॉ. पायल कनोडिया ने कहा कि ह्लएम3एम फाउंडेशन यह मानती है कि अगर अवसर मिले तो कोई भी बच्चा अपनी सीमाओं को पार कर सकता है। ह्यनींव से शिखर तकह्न सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व और सपनों को साकार करने का माध्यम है। यह पहल प्रधानमंत्री के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और ह्यकौशल भारतह्न जैसे अभियानों को सशक्त करती है। यह सामाजिक उत्तरदायित्व का एक जीवंत उदाहरण है, जिससे न केवल बेटियाँ आगे बढ़ेंगी, बल्कि देश को नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी।

मोटापा और लाइफस्टाइल के कारण युवतियों में बढ रहे हैं फाइब्रॉइड के मामले

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

गुरूग्राम, 25 जून। गुरूग्राम स्थित मदरहुड अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ और वरिष्ठ सलाहकार डॉ. श्वेता वजीर ने कहॉ की, आजकल महिलाओं में प्रजनन से जुड़ी बीमारियाँ बढ़ती जा रही हैं। खासकर २०-३० साल की उम्र की लड़कियों और महिलाओं में यूटेरिन फाइब्रॉइड यानी गर्भाशय में गांठें बनने के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। इसका कारण अभी तक सामने नही आया हैं, लेकिन मोटापा, बैठे-बैठे रहने की आदत, हार्मोनल बदलाव और पारिवारिक इतिहास के कारण महिलाओं में फाइब्रॉइड की समस्या दिखाई दे रही हैं। आजकल महिलाओं के देर से मां बनने की वजह से भी यह खतरा बढ़ रहा है। जब महिला गर्भवती नहीं होती, तो ज्यादा बार पीरियड्स होते हैं, जिससे शरीर में लंबे समय तक एस्ट्रोजन का स्तर बढ़ा रहता है, जो फाइब्रॉइड को बढ़ावा दे सकता है।

हर फाइब्रॉइड से लक्षण नहीं होते, लेकिन अगर इलाज न हो तो ये गर्भधारण में दिक्कत पैदा कर सकते हैं। सही समय पर निदान और इलाज काफी जरूरी हैं। ताकि प्रजननसंबंधी समस्या को दूर किया जा सकता हैं।

यूटेरिन फाइब्रॉइड क्या होते हैं?

ये गर्भाशय में बनने वाली कैंसर रहित (साधारण) गांठें होती हैं। ये कई तरह की हो सकती हैं:

इंट्राम्यूरल फाइब्रॉइड - जो गर्भाशय की मांसपेशियों में होते हैं और दर्द या दबाव दे सकते हैं।

सबम्यूकोसल फाइब्रॉइड -जो गर्भाशय की अंदर की परत के नीचे होते हैं और भारी ब्लीडिंग कराते हैं।

सबसेरोसल फाइब्रॉइड - जो बाहर की दीवार पर होते हैं और पेट फूलना या बार-बार पेशाब जैसी परेशानी करते हैं।

पेडंक्युलेटेड फाइब्रॉइड - जो डंडी जैसे आकार में होते हैं और मुढ़ने पर तेज दर्द देते हैं।

इन समस्याओं के लिए डॉक्टर से समय पर सलाह लेना जरूरी है।

गुरूग्राम स्थित मदरहुड अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ और वरिष्ठ सलाहकार डॉ. श्वेता वजीर ने कहॉ की, ह्लआज २०-३० साल की उम्र की महिलाओं में फाइब्रॉइड तेजी से बढ़ रहे हैं। यह मोटापा, गलत खानपान, तनाव, जल्दी पीरियड्स शुरू होना, व्यायाम की कमी और हार्मोनल गड़बड़ी के कारण ऐसा होता हैं ।

हर महीने २-३ महिलाएं फाइब्रॉइड की समस्या लेकर इलाज के लिए आती हैं। ज्यादा या लंबे समय तक पीरियड्स आना, पेट में दर्द या भारीपन, बार-बार पेशाब लगना, सेक्स के समय दर्द और प्रेग्नेंसी में दिक्कत इसके प्रमुख लक्षणं हैं। इंडियन जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी रिसर्च के अनुसार, अब ३५ वर्ष से कम उम्र की लगभग ३०% महिलाएं फाइब्रॉइड से जुड़े लक्षणों की शिकायत कर रही हैं। इससे लगातार दर्द, कमजोरी और थकान हो सकती है। साथ ही प्रजनन पर असर होने से मानसिक तनाव, चिंता या डिप्रेशन भी हो सकता है।ह्न

डॉ. वजीर ने आगे कहॉ की, ह्लइलाज इस बात पर निर्भर करता है कि फाइब्रॉइड कितने बड़े हैं, क्या लक्षण हैं और महिला मां बनना चाहती है या नहीं।

दवाओं से हार्मोन को कंट्रोल किया जा सकता है। नई तकनीक जैसे एमआरआय गाइडेड अल्ट्रासाउंड से भी इलाज किया जा सकता है। अगर फाइब्रॉइड फैलोपियन ट्यूब को ब्लॉक कर दे, या गर्भाशय की शेप बिगाड़ दे, तो प्रेग्नेंसी में दिक्कत आती है। ऐसे में मायोमेक्टॉमी (गांठ हटाने की सर्जरी), हार्मोनल ट्रीटमेंट या आयवीएफ जैसे उपाय मदद कर सकते हैं। कभी-कभी सी सेक्शन के दौरान भी फाइब्रॉइड निकाले जाते हैं। प्रजनन आयु की महिलाओं के लिए नियमित जांच और समय रहते पहचान फायदेमंद हो सकती है। वजन नियंत्रित करना, व्यायाम करना और पौष्टिक आहार जैसे जीवनशैली में बदलाव फाइब्रॉइड के जोखिम को कम कर सकते हैं। महिलाएं फाइब्रॉइड को नजरअंदाज न करें और सही समय पर डॉक्टर की सलाह जरूर लें।ः

श्रीमद् देवी भगवती बाला सुंदरी मंदिर को मिला प्रशासक

सेवानिवृत्त जिला राजस्व अधिकारी टी.आर. गौतम ने संभाला कार्यभार

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 25 जून। श्रीमद् देवी भगवती बाला सुंदरी मंदिर में लंबे समय से चल रहे प्रबंधन विवाद और शिकायतों के मद्देनजर अब मंदिर संचालन में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। मंदिर के सुचारू संचालन और पारदर्शिता को बनाए रखने के उद्देश्य से सेवानिवृत्त जिला रेवेन्यू अधिकारी टी.आर. गौतम को मंदिर का प्रशासक नियुक्त किया गया है। उन्होंने मंगलवार को विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया। यह नियुक्ति जिला रजिस्ट्रार सहकारी समितियां कुरुक्षेत्र द्वारा की गई है, जिन्होंने शिकायतकर्ता और वर्तमान मंदिर प्रबंधन की सुनवाई के बाद यह अहम फैसला लिया। आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान प्रबंध समिति मंदिर का संपूर्ण प्रभार, संपत्ति तथा सभी संबंधित अभिलेख

तत्काल प्रभाव से प्रशासक को सौंपे। प्रशासक के रूप में टी.आर. गौतम को मंदिर के दैनिक कार्यकलापों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही, उन्हें आगामी समय में नियमानुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावों का आयोजन भी सुनिश्चित करना होगा, ताकि मंदिर का संचालन लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप हो सके। शिकायतकर्ता और मंदिर के संस्थापक सदस्य विजय भूषण गर्ग और आशुतोष गर्ग ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि मंदिर प्रबंधन को लेकर काफी समय से कई अनियमितताओं की शिकायतें थीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब नए प्रशासक के नेतृत्व में मंदिर का संचालन मर्यादित और धर्म सम्मत ढंग से होगा।

स्थानीय श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों में मिली-जुली प्रतिक्रिया :

इस बदलाव को लेकर स्थानीय श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई लोगों ने प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए इसे मंदिर की गरिमा और पारदर्शिता को बनाए रखने की दिशा में सकारात्मक पहल बताया है, वहीं कुछ लोगों ने चिंता भी जताई कि मंदिर प्रशासनिक खींचतान का केंद्र न बन जाए।

धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का केंद्र है मंदिर :

गौरतलब है कि श्रीमद् देवी भगवती बाला सुंदरी मंदिर, शाहाबाद क्षेत्र का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। नवरात्रों और अन्य पर्वों पर यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। मंदिर न केवल धार्मिक गतिविधियों का केंद्र है, बल्कि सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन स्थल है।

उद्यान विश्वविद्यालय के 4 विद्यार्थी करेंगे कोच्चि विश्वविद्यालय जापान का शैक्षणिक भ्रमण : प्रो. सुरेश मल्होत्रा

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 25 जून। महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल के 4 विद्यार्थियों का चयन कोच्चि विश्वविद्यालय जापान के साकुरा साइंस एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत शैक्षणिक आदान-प्रदान के लिए हुआ है, ये चयन एमएचयू व कोच्चि विश्वविद्यालय जापान के बीच गत वर्ष हुए अनुसंधान-शैक्षणिक गतिविधियां बढ़ाने के करार के तहत हुआ है।

एमएचयू के माननीय कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने एमएचयू के 4 विद्यार्थियों का चयन कोच्चि विश्वविद्यालय जापान के लिए होने पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि कोच्चि विश्वविद्यालय के साथ एमएचयू का अनुसंधान ओर शैक्षणिक क्षेत्र में गतिविधियां बढ़ाने को लेकर गत वर्ष समझौता हुआ है, इसी के तहत एमएचयू के 4 विद्यार्थी जापान की कोच्चि विश्वविद्यालय जाएंगे। जहां पर चयनित विद्यार्थी, कोच्चि वि.वि. के विद्यार्थियों के साथ ज्ञान का आदान प्रदान करेंगे, वहां की तकनीकी जानेंगे, ट्रैनिंग के दौरान विभिन्न तकनीकों ओर ज्ञान अर्जित करेंगे, जो उनके लिए बहुत उपयोगी ओर सार्थक साबित होगा। कुलपति प्रो. सुरेश ने बताया कि चयनित विद्यार्थी एक सप्ताह के लिए दिसम्बर माह में जापान जाएंगे, इस दौरान वहां पर किस प्रकार बागवानी खेती को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न तकनीकों, खेती बाड़ी के तरीके, शैक्षणिक, अनुसंधान के बारे में सटीकता के साथ जानकारी हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि 4 विद्यार्थी इनमें 2 छात्राएं जसमीन, दीपिका, 2 छात्र हर्ष और मोहित शामिल है जो कि क्रमशः बीएससी द्वितीय- तृतीय वर्ष के विद्यार्थी है।

पोको F7 लॉन्च: बड़ी बैटरी और दमदार परफॉर्मेंस के साथ नया स्मार्टफोन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नई दिल्ली, 25 जून। भारत का प्रमुख कंज्यूमर टेक ब्रांड पोको अपनी मशहूर F-सीरीज में नया स्मार्टफोन पोको F7 लेकर आया है। टेक प्रेमियों और हमेशा दौड़-भाग में लगे यूजर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह फोन दमदार परफॉर्मेंस, आकर्षक डिजाइन और शक्तिशाली बैटरी को एक पतली, स्टाइलिश बॉडी में पेश करता है।

पोको F7 में 7550mAh की भारत की सबसे बड़ी बैटरी दी गई है, जिसमें सिलिकॉन कार्बन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो ऊर्जा की क्षमता और दीर्घकालिक परफॉर्मेंस को बेहतर बनाती है। यह बैटरी 90W टर्बो चार्जिंग और 22.5W रिवर्स चार्जिंग को सपोर्ट करती है, जिससे यूजर्स पूरे दिन और उससे भी अधिक समय तक स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह सब महज 7.99mm पतली बॉडी में समाया है, जिससे यह भारत का सबसे पतला फोन बन गया है, जिसमें इतनी बड़ी बैटरी दी गई हो।

F7 की कीमत 29,999 रुपये रखी गई है। इस फोन में सेगमेंट का सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस देखने को मिलता है। इसमें स्नैपड्रैगन 8s Gen 4 चिपसेट है, जो 2.1 मिलियन से अधिक का AnTuTu स्कोर देता है झ यह इस कैटेगरी में एक रिकॉर्ड है। साथ ही इसमें है LPDDR5X मेमोरी, UFS 4.1 स्टोरेज और कुल 24GB (12GB + 12GB) टर्बो RAM, जो इसे परफॉर्मेंस के मामले में अपने वर्ग में अव्वल बनाते हैं। पोको का कस्टम HyperOS 2.0, AI के साथ एक स्मूद और रेस्पॉन्सिव अनुभव देता है। IceLoop कूलिंग सिस्टम, अ720 बिग-कोर आर्किटेक्चर के साथ, फोन को ज्यादा इस्तेमाल के दौरान भी ठंडा बनाए रखता है।

इसमें 6.83 इंच का 1.5K AMOLED डिस्प्ले है, जिसमें 120Hz का रिफ्रेश रेट और अल्ट्रा नैरो बेजल्स दिए गए हैं। यह अपने सेगमेंट का सबसे बड़ा और शानदार डिस्प्ले है, जो गेमिंग, वीडियो स्ट्रीमिंग और क्रिएटिव वर्क के लिए एकदम परफेक्ट है।

इस लॉन्च पर प्रतिक्रिया देते हुए पोको इंडिया के कंट्री हेड हिमांशु टंडन ने कहा, "पोको F7 के साथ हमने यूजर्स की असली जरूरत को प्राथमिकता दी है - बिना किसी समझौते के जबरदस्त ताकत। यह सिर्फ बड़ी बैटरी या तेज चार्जिंग की बात नहीं है, बल्कि इसमें वो सबकुछ है जिसकी आज के यूजर को जरूरत है झ पावरफुल परफॉर्मेंस, शानदार डिजाइन, मजबूती और बेहतरीन विजुअल एक्सपीरियंस झ वो भी एक पतले और किफायती पैकेज में। F7वाकई में वो पावरफुल फोन है जिसका भारत को इंतजार था।"

पोको F7 को क्या बनाता है खास?

ड्ड स्नैपड्रैगन® 8s Gen 4 – 2.1 मिलियन+ AnTuTu स्कोर और A720 आर्किटेक्चर के साथ बेहतरीन प्रोसेसिंग और ऊर्जा दक्षता।

भारत की सबसे बड़ी बैटरी – 7550mAh सिलिकॉन कार्बन बैटरी, जो 90ह फास्ट चार्जिंग और 22.5W रिवर्स चार्जिंग को सपोर्ट करती है।

सबसे पतला बैटरी फोन – 7.99mm पतली बॉडी में 7550mAh बैटरी, साथ ही IP66, IP68 और IP69 जैसी दमदार ड्यूरेबिलिटी रेटिंग्स।

बेहतर थर्मल कंट्रोल -आइसलूप कूलिंग सिस्टम के साथ, जो गेमिंग या हैवी यूज के दौरान भी हीटिंग को नियंत्रित करता है।

प्रीमियम ग्लास-मेटल डिजाइन -दोनों तरफ Corning® Gorilla® Glass 7i और बोल्ड कैमरा डेको के साथ आकर्षक लुक।

24GB टर्बो RAM (12GB + 12GB वर्चुअल) + UFS 4.1 स्मूद मल्टीटास्किंग और तेज ऐप लोडिंग के लिए अगली पीढ़ी की मेमोरी।

6.83 इंच 1.5K एमोलेड डिस्प्ले, 120z रिफ्रेश रेट और अल्ट्रा-स्लिम बेजल्स के साथ झ बेहतरीन विजुअल अनुभव के लिए।

ड्ड 550MP Sony IM882 कैमरा (OIS के साथ) + 20MP सेल्फी कैमरा -अल्ट्रा स्नैपशॉट मोड से फ्लैगशिप जैसी फोटोग्राफी।

उपलब्धता और लॉन्च ऑफर्स

पोको F7 की बिक्री 1 जुलाई से विशेष रूप से फ्लिपकार्ट पर शुरू होगी, जिसमें 12+256GB वैरिएंट की शुरूआती कीमत 29,999 रूपए और 12+512GB वैरिएंट की कीमत 31,999 रूपए होगी। पहले दिन के सेल ऑफर के तहत, उपभोक्ता एचडीएफसी, एसबीआई या आईसीआईसीआई बैंक काड्र्स का उपयोग करके 2,000 रूपए की तत्काल बैंक छूट और 2,000 रूपए का एक्सचेंज बोनस प्राप्त कर सकते हैं। ये ऑफर स्वतंत्र रूप से या बैंक ऑफर के साथ बंडल में लागू हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, पोको 1 साल का मुफ्त स्क्रीन डैमेज प्रोटेक्शन (मूल्य 10,000 रूपए) और 1 साल की अतिरिक्त वारंटी दे रहा है, जिससे ग्राहकों को कुल 2 साल का वारंटी कवरेज मिलेगा। ये लॉन्च डे लाभ केवल 1 जुलाई को डिवाइस खरीदने वाले ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगे। इन सभी फायदों को देखते हुए पोको F7 न केवल एक परफॉर्मेंस पावरहाउस है, बल्कि अपनी श्रेणी में सबसे अच्छी डील भी है।

विश्व गुरु बनने के लिए शोध में गुणवत्ता जरूरी : प्रो. सचदेवा

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 25 जून। एसोसिएशन आफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) द्वारा अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने

के अवसर पर 23-24 जून को कुलपतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा परिसर में आयोजित हुआ जिसमें देशभर के 100 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शिक्षाविदों, नीति विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा किया गया, जबकि समापन उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा किया गया। सम्मेलन का मुख्य विषय भविष्य की उच्च शिक्षा की परिकल्पनाः भारत की केंद्रीय भूमिका थी। सम्मेलन के दूसरे दिन आयोजित विशेष सत्र उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध की गुणवत्ता को बढ़ावा देना में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि यदि भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति और विश्व गुरु बनना है, तो केवल शोध की मात्रा नहीं, बल्कि गुणवत्ता, प्रासंगिकता और वैश्विक मान्यता प्राप्त शोध में निवेश करना होगा। भारत में 1100 से अधिक विश्वविद्यालय और 43,000 कॉलेज होने के बावजूद शोध की गुणवत्ता, वैश्विक उद्धरणों और प्रभाव के स्तर पर भारत की स्थिति अभी भी अपेक्षित नहीं है। अब समय आ गया है जब भारत के विश्वविद्यालय विचारों की प्रयोगशालाएं, नवाचार की नर्सरी और सामाजिक परिवर्तन के केंद्र बने। उन्होंने कहा कि रिसर्च को सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शैक्षणिक मिशन के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने रिसर्च शब्द का विस्तृत अर्थ बताया।

संपादकीय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' में है 'भविष्य के भारत की सोच '

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष की ओर कदम बढ़ा रहा है। ऐसे में संघ को लेकर गहरी रुचि और जिज्ञासा सामान्य लोगों से लेकर बौद्धिक जगत में दिखाई दे रही है। संघ के संबंध में अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं, जिन्हें विद्वानों ने अपने-अपने दृष्टिकोण से लिखा है। इस शृंखला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर की पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' ने प्रकाशन जगत और बुद्धिजीवी वर्ग का ध्यान खींचा है। यह पुस्तक अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। जब संघ की सृष्टि में रचा-बसा लेखक कुछ लिखता है, तब उसे पढ़कर संघ को ज्यादा बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। यह ऐसी पुस्तक है, जो लेखक की प्रत्यक्ष अनुभूति के साथ विकसित हुई है। संघ की यात्रा और विभिन्न मुद्दों पर संघ का दृष्टिकोण बताते हुए सुनील आंबेकर अपनी संघ यात्रा को भी रेखांकित करते हैं। यह प्रयोग संघ को व्यवहारिक ढंग से समझने में हमारी सहायता करता है। मनोगत में स्वयं लेखक सुनील जी लिखते हैं कि यह पुस्तक उनके लिए है जो व्यवहार रूप में संघ को समझना चाहते हैं, उसके माध्यम से जिसने संघ को जिया है। सुनील आंबेकर का लंबा समय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को गढ़ने में भी बीता है। सुनील जी बाल्यकाल से स्वयंसेवक हैं। संघ के साथ उनके संबंध नैसर्गिक रूप से विकसित हुए हैं। नागपुर में उनका घर संघ मुख्यालय के पड़ोस में ही है। उनके घर का द्वार संघ कार्यालय के प्रांगण में ही खुलता था।

'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' पाठकों को न केवल संघ की बुनियादी जानकारी देती है अपितु 'भविष्य के भारत' को लेकर संघ की क्या सोच है, उस पर भी यह पुस्तक बात करती है। पुस्तक के प्रारंभिक अध्यायों में संघ की स्थापना की पृष्ठभूमि पर चर्चा है। संघ की स्थापना के उद्देश्य, उसकी आवश्यकता और उसकी कार्यप्रणाली को ठीक प्रकार से समझना है, तब हमें संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन चरित्र अवश्य पढ़ना और जानना चाहिए। इस पुस्तक में यह उल्लेख एक से अधिक स्थानों पर आया है। डॉक्टर साहब क्रांतिकारी संगठनों में रहे, कांग्रेस में भी सक्रिय रहे।

वे नागपुर में कांग्रेस के प्रमुख नेता थे। डॉक्टर साहब के पास सामाजिक-राजनैतिक क्षेत्र का समृद्ध अनुभव था, उसी में से उनके हृदय में संघ बीज का प्रस्फुटन हुआ। सुनील जी लिखते हैं, "डॉक्टर साहब का मानना था कि भारत की गुलामी का कारण केवल विदेशी ताकतें नहीं हैं, जिन्होंने आक्रमण किए अपितु आंतरिक कलह और मतभेद भी इसके कारण रहे हैं। एक ऐसे स्थान की आवश्यकता थी, जहां सब बड़े-छोटे या अन्य लोग किसी भी प्रकार के भेदभाव को भूलकर संवाद कर सकें। इसी विचार ने आगे चलकर शाखा की संकल्पना को जन्म दिया।" समर्थ गुरु रामदास और छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र से समाज को संगठित करने का पाठ सीखकर डॉक्टर हेडगेवार ने एक ऐसे संगठन का निर्माण किया, जो व्यक्ति केंद्रित नहीं अपितु तत्व उसके मूल में है।

'संघ की मूल अवधारणाएं' बताते हुए लेखक सुनील जी लिखते हैं, "जिन मूल केंद्रीय अवधारणाओं से संघ के विचार का जन्म हुआ, ये हैं- राष्ट्रीयता, एकात्मता और सामूहिकता।' वे आगे लिखते हैं, "संघ के साथ जितना मेरा अनुभव रहा है, मुझे लगता है कि यह सामंजस्य, विश्वास एवं पारस्परिक आदर का भाव स्थापित करनेवाली और एकत्व स्थापित करनेवाली एक शक्ति है।" पुस्तक में अन्य स्थानों पर भी संघ की मूल अवधारणाओं की व्याख्या की गई है, उन्हें अलग-अलग ढंग से समझाने का प्रयास किया गया है। संघ के बारे में एक बात सबको समझनी चाहिए कि यह कोई जड़ संगठन नहीं है। समाज के साथ बहनेवाला जीवंत संगठन है, जो देश-काल-परिस्थिति के अनुसार समाज हित में अपने दृष्टिकोण को विस्तार देता है। लेकिन संघ की मूल अवधारणाएं स्थायी हैं, उनमें परिवर्तन स्वीकार्य नहीं है। जैसे-राष्ट्रीयता को लेकर संघ का स्पष्ट मत है कि यह देश 'हिन्दूराष्ट्र' है, संघ इसी अवधारणा के साथ जन्मा और उसी को लेकर आजतक चल रहा है। इस संबंध में पूर्व सरसंघचालक बालासाहब देवरस को उल्लेखित करते हुए वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी कहते हैं, "जब हमसे पूछा जाता है कि यह कैसे हुआ, वह कैसे हुआ? हमने पहले वैसा कहा था, अब ऐसा क्यों कह रहे हैं? इस प्रकार के प्रश्नों का उत्तर देते हुए बालासाहब ने कहा था कि देखो भाई, हिन्दुस्थान हिन्दूराष्ट्र है, इस एक बात को छोड़कर बाकी सब बदल सकता है, क्योंकि हिन्दुस्थान हिन्दूराष्ट्र है यह किसी के दिमाग की उपजी हुई बात नहीं है। श्री आंबेकर पुस्तक में एक स्थान पर लिखते हैं कि संघ का विचार स्पष्ट और सरल है बेशक कई विद्वानों ने संघ पर कई गहन एवं जटिल ग्रंथ लिखे हैं किंतु केंद्रीय अथवा मूल विचार एक ही है- अच्छे बनो और उस अच्छाई को दूसरों की भलाई के कार्य करते हुए समाज में प्रकट करो।"

संघ की शाखा क्या है, संघ किस प्रकार काम करता है, संगठन की रचना किस प्रकार की है? ये ऐसे प्रश्न हैं, जो उन सबके मन में रहते हैं जो संघ को समझना चाहते हैं। इस सबका उत्तर पुस्तक में मिलता है। वहीं, आजकल बहुत से नेता एवं तथाकथित बुद्धिजीवी भ्रम का वातावरण बनाने के लिए और संघ के प्रति लोगों के मन में

कनाडा में खालिस्तानी...., खुफिया एजेंसी सीएसआइएस ने स्वीकारी ये बात

कनाडा की खुफिया एजेंसी सीएसआइएस (कैनेडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस) ने विगत 18 जून को 2024 की जारी की गयी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में पहली बार यह स्वीकार किया है कि खालिस्तानी अलगाववादियों का एक समूह भारत में हिंसा को बढ़ावा देने, पैसे जुटाने या योजना बनाने के लिए कनाडा की जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं. गौरतलब है कि 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के रिश्ते अपने निम्नतम स्तर पर पहुंच गये थे. तब कनाडा में ट्रुडो की सरकार थी. तब भारत ने कनाडा स्थित अपने छह राजनयिकों को वापस बुला लिया था. कनाडा में सत्ता परिवर्तन के बाद भारतीय चिंताओं की पुष्टि करती यह रिपोर्ट निश्चित तौर पर आश्वस्त करने वाली है. रिपोर्ट में कनाडा स्थित खालिस्तानी अलगाववादियों के सक्रिय समूह का भी जिक्र किया गया है, जो कनाडा में बैठकर स्वतंत्र खालिस्तान की योजना पर काम कर रहा है. रिपोर्ट कहती है कि बीती सदी के आठवें दशक के मध्य से कनाडा में राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक अलगाववाद का खतरा खालिस्तानी अलगाववादियों के जरिये प्रकट हुआ है, जो भारत के पंजाब में स्वतंत्र खालिस्तान राष्ट्र के गठन के लिए हिंसक साधनों का उपयोग करना चाहते हैं. यह रिपोर्ट भारत के उस रुख की ही पुष्टि करती है कि कनाडा में खालिस्तानी समर्थक तत्व भयमुक्त होकर भारत-विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं.

रिपोर्ट में कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा पर खास चिंताओं और खतरों को भी रेखांकित किया गया है. रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा के खालिस्तानी अलगाववादियों का हिंसक गतिविधियों में भाग लेना कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा और इसके हितों के लिए खतरा बना हुआ है. रिपोर्ट में आदतन भारतीय अधिकरियों की गतिविधियों का भी हवाला दिया गया है. हालांकि कनाडा भारतीय हस्तक्षेप और जासूसी का जो कथित आरोप लगाता रहा है, जो कि इस रिपोर्ट में भी है, भारत उसे लगातार खारिज करता आया है.

डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस : तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें न रहें

विनय कुमार सिंह

जिस तरह सन 1699 की वैशाखी पर्व पर आनंदपुर के केशगढ़ साहिब में दशम गुरु गोविंद सिंह जी के देश-धर्म पर मर-मिटने के आान पर पंजाब के दयाराम खत्री आत्मोत्सर्ग के लिए सबसे पहले आगे आए थे,उसी प्रकार स्वातंत्र्योत्तर भारत की एकता और अखंडता के रक्षार्थ भारतमाता के आर्त पुकार पर सबसे पहले दौड़ पड़नेवाले महापुरुष थे- भारतीय जनसंघ के संस्थापक-अध्यक्ष और अपने युग के अप्रतिम तेजस्वी सांसद डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी. आज ही, 23 जून 1953 को डा.मुखर्जी भारतमाता के मणि-किरीट जम्मू कश्मीर में मातृभूमि की बलिवेदी पर चढ़ गए थे. स्वाधीन भारत की अखंडता और प्रभुसत्ता के लिए वह प्रथम बलिदान था जो इतिहास के पन्नों में देदीप्यमान है.

स्वाधीनता के बाद भारत की 565 में 564 रियासतों का विलय लोहपुरुष सरदार पटेल की दृढ़ता और नीति-निपुणता के चलते भारतीय संघ में हो गया था. लेकिन जम्मू-कश्मीर के भारतीय संघ के साथ एकीकरण के प्रश्न पर तत्कालीन प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू गृहमंत्री सरदार पटेल के आड़े आ गए और जम्मू कश्मीर मुस्लिम कॉन्फ्रेंस के नेता (बाद में नेशनल कॉन्फ्रेंस) शेख अब्दुल्ला से गुमराह हो उन्होंने अपरिपक्व रवैया अपनाया जिससे कश्मीर-समस्या खड़ी हुई. उधर मोहम्मद अली जिन्ना और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत खां की ललचाई दृष्टि धरती के स्वर्ग कश्मीर पर थी;सो कवायलियों की आड़ में पाकिस्तान ने 22 अक्तूबर 1947 को जम्मू कश्मीर पर धावा बोल दिया.

वे कश्मीर घाटी के इलाकों में जन-धन की भीषण तबाही मचाते हुए श्रीनगर पर कब्जे को लक्ष्य कर आगे बढ़ने लगे. कोटली और मीरपुर में हजारों भारत-भक्तों,विशेषकर हिंदुओं का लोमहर्षक संहार हुआ. स्थिति बिगड़ती देख सरदार पटेल और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरसंघचालक श्री गुरुजी गोलवलकर तथा अपने दीवान जस्टिस मेहरचंद महाजन की सलाह को ध्यान में रखते हुए कश्मीर के महाराजा हरिसिंह ने 26 अक्टूबर 1947 को राज्य के भारतीय संघ में विलय-पत्र पर हस्ताक्षर कर दिया और यह प्रदेश अन्य रियासतों की ही भांति भारत का अभिन्न अंग हो गया. विलय के अगले दिन भारतीय सेना श्रीनगर पहुंची और मेजर सोमनाथ शर्मा,ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह तथा मेजर उस्मान की अगुआई में सटीक सैन्य करवाई से घबराकर पाकिस्तानी सिर पर पैर रखकर भागने लगे. लेकिन इसी बीच प्रधानमंत्री पं.नेहरू के तीन आत्मघाती कदम बढ़े.

पहले तो वे कश्मीर घाटी को पाक-आक्रांताओं से पूरी तरह मुक्त किए बिना युद्ध-विराम कर मामले को संयुक्त राष्ट्रसंघ में ले गए. दूसरा यह कि उन्होंने कश्मीर के भारत या पाकिस्तान में रहने के सवाल पर राष्ट्रसंघ के जनमत संग्रह के प्रस्ताव को हामी भर दी. उनके इन निर्णयों से कश्मीर की तकदीर मानो कच्चे सूते में बंधी लटक गई. इसके बाद भी,पं.नेहरू की सबसे बड़ी हिमालयी भूल यह रही कि संविधान सभा में सरदार पटेल,डा.अंबेदकर,डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी और हसरत मोहानी सहित

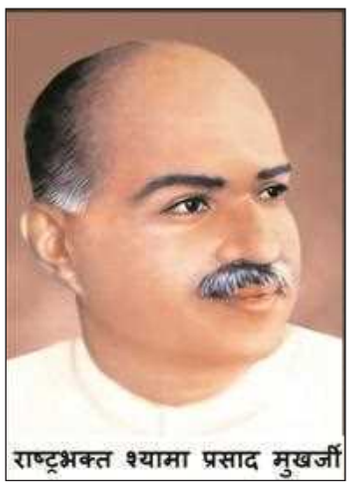
राष्ट्रभक्त श्यामा प्रसाद मुखर्जी

अपने मंत्रिमंडल के अधिकांश सदस्यों के विरोध के बावजूद शेख अब्दुल्ला की सलाह पर उन्होंने सन 1949 में भारतीय संविधान में धारा 370 के तहत कश्मीर को विशेष दर्जा और 1954 में 35-ए के उपबंध के अंतर्गत राज्य में दोहरी नागरिकता की व्यवस्था लागू कर दी. दशकों तक ये अलगाववादी उपबंध भारत के शरीर में नासूर की तरह चुभते रहेझतबतक,जबतक कि 5 अगस्त 2019 को वर्तमान की भाजपा सरकार ने अपने वायदे के मुताबिक इसे पूरी तरह रद्द नहीं कर दिया.

इसी बीच सन 1951 में जम्मू कश्मीर राज्य-विधानसभा के लिए प्रथम चुनाव हुए जिसके परिणामस्वरूप राज्य-शासन की बागडोर शेख अब्दुल्ला के हाथों आ गई. शेख ने कश्मीर के विशेष दर्जे के तहत राज्य में अलग विधान,अलग निशान (झंडा) और अलग प्रधान (प्रधानमंत्री) की व्यवस्था लागू की. शेख साहब बड़े शान से राज्य के वजीरे आजम (प्रधानमंत्री) कहलाते थे. उस वक्त वहां भारत का राष्ट्रीय तिरंगा फहराना जुर्म था;जो भी देशभक्त वहां तिरंगा फहराने की कोशिस करते,वे अब्दुल्लाशाही की गोलियों के शिकार होते थे. सबसे विचित्र परिपाटी तो यह प्रचलित थी कि शेष भारत के लोगों को जम्मू-कश्मीर प्रविष्ट होने के लिए परमिट लेना पड़ता था. स्पष्ट है कि यह सब भारतीय संविधान की मूल भावना – एक राष्ट्र,एक जन के विरुद्ध था. कश्मीर के विशेष दर्जे के चलते भारत की संसद वहां आंशिक तौर पर ही प्रभावी थी और राज्य सर्वोच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार से बाहर था. इन राष्ट्रघाती प्रावधानों की आड़ में पृथकतावादी व पाकपरस्त तत्वों के राष्ट्रद्रोह की आंच से कश्मीर की केसर की क्यारियां मानो झुलस-सी रही थी. अटलजी ने कश्मीर की दयनीयता को अपनी एक कविता में यथार्थ ही लिखा था झ समय की सर्द सांसों ने चिनारों को झुलस डाला.

ऐसी परिस्थिति में जम्मू कश्मीर प्रजा-परिषद् के प्रधान पं.प्रेमनाथ डोगरा के नेतृत्व में राज्य के देशभक्तों ने शेख अब्दुल्ला द्वारा खड़ी की गई अलगावादी दीवार को ढहाकर कश्मीर के भारत में पूर्ण विलय के लिए प्रचंड जनांदोलन छेड़ दिया. इसपर शेख-सरकार ने क्रूर दमनचक्र चलना शुरू किया जिसमें दर्जनों देशभक्त शहीद हुए और बड़ी संख्या में अमानवीय जेल-यातना के शिकार हुए.

7 अगस्त 1952 को लोकसभा में भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष व सांसद डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने प्रजा परिषद् के देशभक्तो पर किए जा रहे निरंकुश दमनकारी कारवाइयों के खिलाफ तर्कपूर्ण आवाज बुलंद की. उनके शब्द थे,प्रधानमंत्री पं.नेहरू की कश्मीर नीति भारत के बाल्कनीकरण (विखंडन) की ओर ले जा सकती है. इसपर पं.नेहरू ने प्रजा परिषद्,जनसंघ और डा.मुखर्जी को साम्प्रदायिक करार दिया. तब डा.मुखर्जी ने दिसंबर 1952 में जनसंघ के कानपुर अधिवेशन में प्रजा परिषद् के राष्ट्रवादी आंदोलन को समर्थन की घोषणा कर दी और भेदभावपूर्ण व राष्ट्रघाती परमिट प्रणाली को तोड़कर जम्मू-कश्मीर जाने का निर्णय लिया. इससे पूर्व अगस्त 1952 में उन्होंने जम्मू का दौरा किया था और वहां परेड मैदान की एक विशाल जनसभा में यह एलान किया था-या तो विधान लेंगे या फिर जान दे देंगे. विधान लेने का तात्पर्य जम्मू-कश्मीर के अलग विधान की जगह वहां भारतीय संविधान लागू कराना था.

8 मई 1953 को डा.मुखर्जी ने वैद्य गुरुदत्त,पं.टेकचंद शर्मा,पं. प्रेमनाथ डोगरा,प्रो.बलराज मधोक,अटल बिहारी वाजपेयी सहित आठ साथियों के साथ नई दिल्ली से जम्मू के लिए प्रस्थान किया। मार्ग में पड़नेवाले स्टेशनों पर हजारों की देशभक्त भीड़ ने उनका जोरदार अभिनंदन किया. जालंधर स्टेशन पर गुरदासपुर के कलक्टर ने उन्हें सूचित किया कि भारत सरकार उन्हें बिना परमिट कश्मीर घुसने नहीं देगी, लेकिन उनका संकल्प अडिग रहा।

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 129 वर्ष

योगेश कुमार गोयल

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 105 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था।

ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।

अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896

में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं। फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे।

एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने ह्ययूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्ट्स एथलेटिक्सह्न नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रैंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद ह्यअंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समितिह्न का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया।

अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है। पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया।

प्रधानमंत्री का धन्यवाद, दुनिया में बज रहा योग दर्शन का नगाड़ा

दयनारायण दीक्षित

योग आनंद का विज्ञान है। पतंजलि के योगसूत्र में "चित्तवृत्ति के निरोध को ही योग" कहा गया है। चित्तवृत्ति के प्रभाव में ही संसार दुखमय है। आधुनिक विश्व में गलाकाट प्रतिस्पर्धा है। तनाव और अवसाद बढ़े हैं। क्रोध उफना रहा है। मनुष्य अकेला है। परिवार टूट रहे हैं। आस्थाएं धीरज नहीं देतीं। आत्महत्याएं बढ़ी है। हिंसा युद्ध रक्तपात भी लगातार बढ़ रहे हैं। दुनिया में अनेक आस्थाएं हैं और अनेक विश्वास। सबके अपने सत्य और विश्वास हैं। आस्था और विश्वास को लेकर हो रहे रक्तपात विश्वमानवता के लिए खतरा है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण का युग है लेकिन वैज्ञानिक शोधों ने हत्या और हिंसा के नए उपकरण दिए हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सत्य का पथ आसान हुआ है लेकिन जीवन का शिव और सुन्दर फिसल गया है।

वैज्ञानिक शोधों की अन्तरराष्ट्रीय चर्चा होती है। चिकित्सा विज्ञान के शोध मनुष्य के लिए हितकर भी है। अन्य वैज्ञानिक शोध भी विश्व स्तरीय चर्चा का विषय बने हैं लेकिन आज जैसी अन्तरराष्ट्रीय चर्चा योग दर्शन की है वैसी चर्चा यूनानी दर्शन के दिग्गजों के निष्कर्षो की भी नहीं हुई-न अरस्तू, सुकरात या प्लेटो की और न ही थेल्स, अनसिक्मेनस, हिराक्लिटस या पाइथागोरस की ही। कांट दर्शन की भी अंतरराष्ट्रीय चर्चा नहीं हुई लेकिन योग दर्शन का नगाड़ा बज रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी को धन्यवाद। दुनिया ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया है। समूचा भारत योग गंध से हहरा रहा है। योग ऋग्वेद के उगने के पहले से परम स्वास्थ्य का मार्ग था। गीता (6.21) में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को योग का लाभ बताया "योग से प्रशान्त हुआ आत्म बुद्धि द्वारा ग्रहण किए जाने योग्य सुख प्राप्त करता है। बुद्धि और इन्द्रिय सुख से परे परम आनंद को भी प्राप्त करता है।" योग साधक संसार को दुखमय नहीं आनंदमय देखता है। आनंद पाता है और आनंद बांटता भी है। योग आनंद का विज्ञान है। भारत के आठ दर्शनों में एक योग दर्शन भी है। प्रकृति आनंद से भरीपूरी है लेकिन मनीषियों ने संसार को दुखमय बताया है। दुख और आनंद साथ-साथ नहीं रह सकते। संसार वस्तुतः हमारे मन का सृजन है। प्रकृति सदा से है। आनंद से भरीपूरी होने के कारण ही वह सतत सृजनरत है। संसार इसी का भाग है। तो भी हम आनंद के स्रोत से वंचित हैं। ऐसा क्यों है? बीच में चित्त की बाधा है। योग चित्त अतिक्रमण का ही तंत्र है। चित्तवृत्ति का परदा उठे तो आनंद ही आनंद। पतंजलि ने योग सिद्धि के अनेक लाभ बताएं हैं। सुन्दर स्वास्थ्य प्राथमिक है। बुद्धि का अनंत प्रज्ञा से जुड़ना बड़ा लाभ है। पतंजलि ने

इसके लिए आधे से भी छोटा श्लोक लिखा है-"ऋतम्भरा तत्र प्रज्ञाः"। तब प्रज्ञा ऋत से भर जाती है। ऋत प्रकृति का संविधान है। यही सत्य भी है लेकिन ऋतम्भरा में सत्य के साथ सौन्दर्य और शिव भी है। योग सिद्ध व्यक्ति की लाभ हानि सोंचने की परिभाषा बदल जाती है।

श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं, "योग से प्राप्त आनंद से बड़ा कोई दूसरा लाभ नहीं।" (गीता 6.22) वे आगे योग की खूबसूरत परिभाषा करते हैं, "दुख संयोगं वियोग योगं संजिज्ञम्-दुख संयोग से वियोग हो जाना ही योग है।"

(वही 6.23) श्रीकृष्ण और अर्जुन के साथ हुए मित्रवत सम्वाद में योग विज्ञान की सरलतम झांकी है। लेकिन अर्जुन तो भी संतुष्ट नहीं होता।

अर्जुन हमारे आपके जैसा सामान्य व्यक्ति था। योग विज्ञान सुनने से ही नहीं समझा जा सकता। योग बातों-बातों का बतरस नहीं है, इसके लिए प्रगाढ़ अभ्यास चाहिए।

अर्जुन ने श्रीकृष्ण से पूछा, "आपने जो समत्व भाव वाला योग समझाया है, मनचंचलता के कारण मुझे उसका कोई मजबूत आधार नहीं दिखाई पड़ता। मन चंचल होता है, शक्तिशाली और हठी होता है, मन को वश में करना वायु को वश में करने की तरह बहुत कठिन है। (वही 33 व 34)" अर्जुन बेशक योद्धा है, लेकिन मन चंचलता के रहस्यों से परिचित है।

मन स्थिरिता आसान कर्म नहीं है। मन अपनी चलाता है, बुद्धि उसी की पिछलग्गू हो जाती है, हम मनमानी करते हैं, हमारी बुद्धिमानी भी मनमानी की पूरक होती है। मन की ताकत बड़ी है।

उसे प्रशिक्षित करने के बाद ही बुद्धि के अनुरूप लाया जा सकता है। वरना मन मनमानी ही कराता है। श्रीकृष्ण ने मनचंचलता की बात स्वीकार की "निस्संदेह मन को वश में करना बहुत कठिन है, यह चंचल है लेकिन इसे अभ्यास और वैराग्य से वश में किया जा सकता है-अभ्यासेन तु कौन्तेय वैराग्येण च गृह्यते।" (वही 35) गीता का यह श्लोक पतंजलियोगसूत्र से मिलता-जुलता है। पतंजलि का योग 'चित्तवृत्ति निरोध' है। श्रीकृष्ण का योग 'मनोनिग्रह" है।

दोनो का मन्तव्य एक है। श्रीकृष्ण 'अभ्यास और वैराग्य" का मन्त्र देते हैं। पतंजलि की भाषा भी वही है "अभ्यास वैराग्याभ्यां तन्निरोधः- अभ्यास और वैराग्य से इन वृत्तियों का नियंत्रण संभव है।" (पतंजलियोगसूत्र 1.12) पतंजलि की शैली वैज्ञानिक है, वे आगे अभ्यास की परिभाषा बताते हैं, "इन दो (अभ्यास, वैराग्य) में अभ्यास स्वयं में दृढ़ता से प्रतिष्ठित होने का प्रयास है-तत्रस्थितौ यत्नो अभ्यासः।" (वही 13) यहां अभ्यास का मतलब योगासन नहीं, स्वयं के कर्म में स्थिर होने का प्रयास है।

अभ्यास स्वयं के प्रति सजग चेष्टा है, वैराग्य इच्छा शून्यता है। अभ्यास और वैराग्य चित्त को संयत करते हैं। असली बात है संयत चित्त। योगासन और ध्यान इसी के उपकरण हैं। व्यक्तित्व की पूरी ऊर्जा को एकाग्र करने का नाम अभ्यास है। फिर वैराग्य बताते हैं, "ऐन्द्रिक सुखों की तृष्णा में सजग प्रयास से भोग आसक्ति के प्रति वितृष्णा वैराग्य की प्रथम अवस्था है, पुरुष के अंतरतम का बोध होने पर सभी इच्छाओं का विलीनीकरण वैराग्य की पूर्णता है।" (वही 15 व 16) श्रीकृष्ण ने कहा, "असंयत के लिये योग कठिन है।

लेकिन संयत व्यक्ति संकल्पबद्ध होकर योगलब्ध हो जाता है।"

समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना सराहनीय कार्यः सुरेंद्र कौशिक

श्री गौड़ ब्राह्मण सभा द्वारा सतनाली में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सतनाली, 25 जून। श्री गौड़ ब्राह्मण सभा इलाका सतनाली द्वारा कस्बे में समाज की मेधावी व विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला प्रमुख सुरेंद्र कौशिक ने शिरकत की जबकि अध्यक्षता सभा के प्रधान कै. अशोक कुमार ने की। इस दौरान सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती, यदि उन्हें उचित मंच मिले तो वे खुद को साबित कर हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा सकती है। समाज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने तथा उन्हें प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए श्री गौड़ ब्राह्मण सभा द्वारा की गई पहल सराहनीय है। इस प्रकार के आयोजन से समाज की प्रतिभाओं को उचित मंच व प्रोत्साहन मिलता है जिससे उनमें नई ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने सभा द्वारा समाज हित में किए जा रहे क्रियाकलापों व कार्यों की सराहना की तथा कहा कि समाज एकजुटता से ही आगे बढ़ सकता है तथा समाज को आगे बढ़ाना तथा उसे पहचान दिलाना सामूहिक दायित्व है। इस दौरान उन्होंने अपने निजी कोष से 11 हजार रुपये सभा को देने की घोषणा की। सुरेंद्र कौशिक ने समाज की प्रतिभाओं को उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके पश्चात श्री गौड ब्राह्मण सभा ने समाज हित में कार्य करने का संकल्प दोहराया तथा समाज की समस्याओं बारे विचार विमर्श किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान पीआरएस स्कूल के निदेशक अमरनाथ सुरोलिया ने सभा को 51 सौ रुपये की राशि भेंट की। इस मौके पर सज्जन शर्मा, प्रवीण शर्मा, रामचंद्र बारडा, निरंजन लाल डिगरोता, पुरुषोत्तम शर्मा, मनोज शर्मा, सुभाष कौशिक, वेद प्रकाश नांगल माला, रामकिशन सुरेहती, मनीराम श्यामपुरा, बाबूलाल माधोगढ़, हनुमान शर्मा, राजेश शास्त्री, कृष्ण भारद्वाज सहित श्री गौड ब्राह्मण सभा के अनेक पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

चौ. बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में नशा मुक्ति पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
लोहारू, 25 जून। स्थानीय चौ. बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को यूथ रेड क्रॉस एवं एनएसएस के सयुंक्त तत्वाधान में कार्यकारी प्राचार्य डॉ. उमेद जांगिड़ की अध्यक्षता में नशा मुक्ति पर पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।
प्राचार्य डॉ. उमेद ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा हमारे समाज को खोखला कर रहा है और युवाओं को सबसे अधिक अपनी चपेट में ले रहा है युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए एवं अपने आस पास के लोगो को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। प्रतियोगिता में प्रियंका एमए अंतिम वर्ष ने प्रथम स्थान, ज्योति एमए प्रथम वर्ष ने द्वितीय एवं कंचन एमए प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विद्याार्थियों सकारात्मक उर्जा का संचार होता है और कुछ नया सीखने का मौका भी मिलता है। इस अवसर पर डॉ. सीमा, रमेश कुमार, सोनू, डॉ. विनोद मान, किरण बाला, बाला आदि स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्यार तकरार और फैमिली ड्रामा: नेटफ्लिक्स ने आप जैसा कोई का ट्रेलर जारी किया - मीठी धुन के साथ दिलचस्प दृश्य

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
गुडगाँव, 25 जून। जब एक शांत 42 वर्ष के पुरुष का सामना अपने उस पहलू से होता है, जिसके बारे में वह कभी जानता ही नहीं था, तब उसके द्वारा अपने जीवन के नियमों को दोबारा लिखने की शुरूआत होती है, फिर इसके बाद क्या होता है? नेटफ्लिक्स ने आप जैसा कोई का ट्रेलर जारी किया है। इसमें आर. माधवन श्रीरेणु त्रिपाठी और फातिमा साना शेख मधु बोस के किरदार में हैं। यह सुखद फैमिली ड्रामा सबसे अप्रत्याशित परिस्थितियों में ह्यबराबरी वाला प्यारह्ल खोजने के अपनेपन, संबंध और सुंदरता को पेश करता है।
आप जैसा कोई में माधवन ने लंबे इंतजार के बाद रोमांस की शैली में वापसी की है। इसमें वो फातिमा साना शेख के साथ एक ऐसी कहानी लेकर आए हैं, जो आंतरिक स्वतंत्रता और ह्यबराबरी वाला प्यारह्ल का असली मतलब पेश करती है। इसका निर्देशन विवेक सोनी (मीनाक्षी सुंदरेश्वर) ने और निर्माण धर्मेटिक एंटरटेनमेंट ने किया है। इस फिल्म में आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास आदि ने भी सशक्त अभिनय किया है। हर किरदार ने परिवार, पहचान, पितृसत्ता, और भावनात्मक सच्चाई की उन बारीकियों का चित्रण बहुत खूबसूरती से किया है, जो अक्सर हमें स्वयं नहीं मालूम होती हैं।
फिल्म की रिलीज के बारे में रुचिका कपूर शेख, डायरेक्टर, ओरिजनल फिल्म्स, नेटफ्लिक्स इंडिया ने कहा, ह्यह्यआप जैसा कोई एक रोमांस ड्रामा है। यह टूटी हुई उम्मीदों और परंपराओं के बंधन के बीच पनपते प्यार को दिखाता है। विवेक सोनी ने बहुत खूबसूरत दृश्य दिए हैं। दूसरी तरफ, आर. माधवन, फातिमा साना शेख, आयशा रजा तथा अन्य कलाकारों ने बहुत ही सशक्त अभिनय किया है। इस फिल्म में प्यार की जटिलताओं पर हल्की चोट की गई है। धर्मेटिक एंटरटेनमेंट फिल्म में रोमांस पेश करने में माहिर हैं। उन्होंने यह क्लासिक कहानी आधुनिक शैली में पेश की है। यह नेटफ्लिक्स पर इस साल पेश की जा रही बेहतरीन फिल्मों में से एक है।

मनाली घूमने गए सतनाली के परिवार पर हमला, मामला दर्ज

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सतनाली, 25 जून। हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल मनाली में अपने परिवार सहित घूमने गए पर्यटकों के साथ स्थानीय लोगों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित सतनाली निवासी प्रदीप कुमार ने मामले में मनाली थाने में शिकायत देकर बताया कि वह अपने परिवार के साथ मनाली घूमने गए थे और किराए की स्कूटी पर टेलीफोन एक्सचेंज के पास पहुंचे जहां ट्रैफिक जाम लगा हुआ था। जाम में फंसे कुछ स्थानीय लोगों ने स्कूटी हटाने को कहा जिस पर उसकी कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि स्थानीय लोगों ने उनके परिवार हमला कर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस मारपीट के दौरान प्रदीप की पत्नी की गोद से उनकी चार महीने की बच्ची गिर गई। घटना के बाद आरोपी एक कार में मौके से फरार हो गए। उन्होंने मनाली पुलिस में शिकायत देकर आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। मनाली थाना प्रभारी मुनीश राज शर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 126(2), 115(2), 352, 351(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम को आरोपियों की तलाश में रवाना कर दिया गया है। थाना प्रभारी ने कहा कि मनाली आने वाले पर्यटकों के साथ ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन 11 जुलाई से

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सतनाली, 25 जून। बाबा भैरव दल सेवा समिति द्वारा कस्बा स्थित बाबा भैरव मंदिर में संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन 11 जुलाई से 17 जुलाई तक किया जाएगा। इस दौरान श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा ज्ञान यज्ञ में अनिल पारीक शास्त्री जी द्वारा कथा वाचन किया जाएगा। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर सवा 12 बजे से सांय सवा चार बजे तक रहेगा। कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह से पूर्व 11 जुलाई को सुबह सवा 8 बजे से भव्य कलश यात्रा का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें सैकड़ों महिलाएं भाग लेगी। कलश यात्रा सतनाली कस्बे के विभिन्न मार्गो व मुख्य बाजारों से होकर गुजरेगी। बाबा भैरव दल सेवा समिति ने श्रद्धालुओं से धार्मिक कार्यक्रम में शिरकत कर पुण्य के भागी बनने का आह्वान किया।

माँ भद्रकाली शक्तिपीठ में नतमस्तक हुए केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 25 जून। भारत सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल कुरुक्षेत्र स्थित पावन माँ भद्रकाली शक्तिपीठ पहुंचे और माँ के श्रीचरणों में विधिवत पूजा-अर्चना कर देशवासियों के कल्याण हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर में सांय 4 बजे पहुंचते ही मंदिर समिति द्वारा पुष्पगुच्छ, मालाओं और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। पीठाध्यक्ष पं. सतपाल शर्मा व मुख्य पुजारिन शिमला देवी की उपस्थिति में केंद्रीय मंत्री ने पवित्र शक्तिस्थल 'श्री देवीकूप' पर पान पत्तों के साथ माँ भद्रकाली जी की विधिपूर्वक पूजा की। मंत्री प्रो. बघेल ने पंचदीप आरती व मौली बन्धन कर माँ से भारत की अखंडता, समृद्धि और

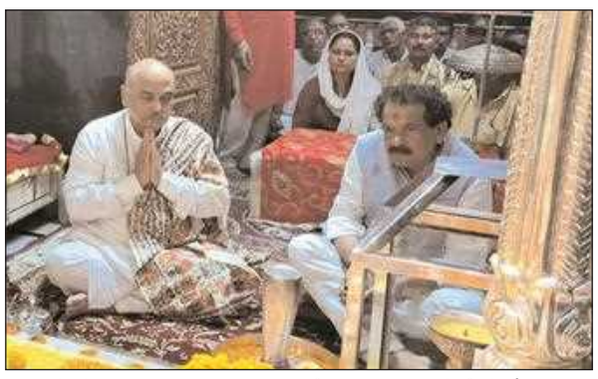

नागरिकों के कल्याण की कामना की। कंजक शैविल शक्ति का भी पूजन किया। मंत्री प्रो. बघेल ने कहा की वे पिछले कई वर्षों से माँ भद्रकाली शक्तिपीठ में दर्शन करना चाहते थे, लेकिन माँ का बुलावा आज उन्हें यहाँ लाया है । उन्होंने यह भी कहा कि माँ भद्रकाली न केवल शक्ति की देवी हैं, बल्कि हमारी राष्ट्र-रक्षा, सामाजिक समरसता और लोककल्याण की प्रेरणा भी हैं। उनके चरणों में आकर मन को बल, बुद्धि और भक्ति तीनों की प्राप्ति हुई है। यह केवल एक शक्ति मंदिर नहीं, बल्कि लोक आस्था का जीवंत ऊर्जा के केंद्र है । उन्होंने बताया कि वे 51 शक्तिपीठों में से 30 शक्तिपीठ व द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से 11 ज्योतिर्लिंग के पूजा दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने शनि मंदिर में भी तेल चढाया। उनके साथ उनके वरिष्ठ निजी सचिव हिमांशु शर्मा, सरस्वती बोर्ड के चैयरमैन धुम्मन सिंह किरमिच, घुमन्तु जाती विकास बोर्ड के चैयरमैन जय सिंह पाल, जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार सैनी, रविन्द्र सांगवान भी दर्शन करने पहुंचे। इस अवसर पर मंदिर समिति के उपाध्यक्ष डॉ. एम. के. मौदगिल, स्नेहिल शर्मा, देवी दयाल शर्मा, दिनेश कंसल, जीवन मौदगिल, रामपाल लाठर, रामकुमार, विजय पुजारा, अनिल मास्टर सहित अनेक सेवक सदस्य उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस- राज्य में नशा को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार कृत संकल्पित हैः विधायक कंवर सिंह

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
महेंद्रगढ़, 25 जून। राज्य में नशा को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार कृत संकल्पित है। विगत माह भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निदेर्शानुसार चलाई गई साइक्लोथॉन यात्रा का उद्देश्य भी लोगों को इस सामाजिक बुराई के प्रति जागरूक करना था। यह बात महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह यादव ने आज अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर कोचिंग संस्थान में युवाओं को संबोधित करते हुए कही।
विधायक कंवर सिंह यादव ने विद्यार्थियों, अध्यापकों व अन्य स्टाफ को नशे के खिलाफ किया जागरूक करते हुए युवाओं को नशा न करने की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर हरियाणा एनसीबी की रेवाड़ी युनिट इंचार्ज इंस्पेक्टर नीरज भी मौजूद थे।
उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक कुरीति है तथा हम सभी

को मिलकर इसे खत्म करना है। राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए हरियाणा सरकार व नारकोटिक्स विभाग दृढ़ संकल्पित और निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नशा सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन को बर्बाद कर देता है। इसकी लत व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और आर्थिक स्थिति को बुरी तरह प्रभावित करती है। समाज से नशे को समाप्त करना एक लंबी और सामूहिक प्रक्रिया है, जिसमें सरकार, परिवार, शिक्षा संस्थाएं, मीडिया और आम नागरिकों की भागीदारी अनिवार्य है। हरियाणा सरकार व हरियाणा एनसीबी के द्वारा चलाई जा रही साइक्लोथॉन मुहिम, नमक लोटा अभियान, ह्लनशा मुक्त जीवन नायाब जीवन झ्र बेकैट चलेंजह्व और अन्य पहलें नशे के खिलाफ एक सशक्त संदेश देती हैं और समाज के सभी वर्गों को इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित करती हैं।
इंस्पेक्टर नीरज ने कहा कि नशे से संबंधित सूचना टोल फ्री नंबर 1933, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल ठउइटअठअर.ऋडश.कठ व हरियाणा एनसीबी के टॉल फ्री नंबर 9050891508 या इंचार्ज रेवाड़ी के मोबाइल नंबर 9813136557 पर दे सकते हैं।
हरियाणा एनसीबी प्रमुख/पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह आईपीएस के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक सुश्री पंखुरी कुमार के नेतृत्व में पूरे हरियाणा में नशा तस्करों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही के साथ-साथ समाज को नशे के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक जागरूक समाज ही बेहतर भविष्य का निर्माण करता है। इस क्रम में ब्यूरो की यूनिट रेवाड़ी ने जिला महेंद्रगढ के कोचिंग सेंटर में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया।

गीता, श्री गुरु ग्रंथ साहिब और बाइबल की तरह पवित्र है संविधान : एसपी बघेल

केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी बघेल पंचायत भवन के सभागार में आयोजित संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 25 जून। केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी बघेल ने कहा कि भारतीय संविधान हमारे देश के गीता, श्री गुरु ग्रंथ साहिब और बाइबल की तरह पवित्र है। हमें संविधान का मान सम्मान और आदर करना चाहिए। देश हित में संविधान के अंदर संशोधन भी किया जाने चाहिए, लेकिन व्यक्तिगत या कुर्सी के लिए संशोधन करना संविधान की हत्या के बराबर है। भारतीय जनता पार्टी संविधान को बचाने के लिए काम कर रही है। केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी बघेल बुधवार को पंचायत भवन के सभागार में आयोजित संविधान हत्या दिवस 2025 कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे। इससे पहले केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी बघेल ने संविधान हत्या दिवस को लेकर लगाई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में आपातकाल के दौरान जेल में बंद होने वाले और उनके परिजनों को शाल भेंट कर सम्मानित भी किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी बघेल ने कहा कि देश को कुरुक्षेत्र की भूमि से धर्म-अधर्म, न्याय-अन्याय, नीति और अनीति के विषय में ज्ञान दिया है, जिसका

हमारे देश में नहीं बल्कि पूरे विश्व में अनुसरण किया है। अब तक अधर्म, अन्याय और अनीति हारती आई है। यही सीख संविधान की हत्या करने वालों को भी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे देश में डेमोक्रेसी बहुत ही बड़ी और पुरानी है। देश के पास द्वापर और त्रेता युग का प्रमाण मौजूद है, जबकि अमेरिका के पास स्टैचू आफ यूनिटी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका आज खुद की डेमोक्रेसी को सबसे पुराना बता रहा है। अब समय बदल चुका है, उसकी डेमोक्रेसी को भारत के नागरिक चैलेंज करते हैं क्योंकि सबसे पुरानी और सबसे बड़ी डेमोक्रेसी भारत की रही है और आगे भी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारे देश में अब तक दो महिलाएं राष्ट्रपति के पद पर सुशोभित हो चुकी हैं, लेकिन अमेरिका में आज तक महिला को राष्ट्रपति की उपाधि नहीं मिली। केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी बघेल ने कहा कि हमारे देश की डेमोक्रेसी पर सिर्फ 19 महीने की इमरजेंसी ही एक काला धब्बा है। यह वो समय है जब देश के नागरिकों को छिप कर रहना पड़ा, दुकानदारों के रोजगार बंद हो गए, किसान अपने खेत में काम नहीं कर सकते थे, जो भी व्यक्ति बाहर मिलता था उसे जेल में बंद कर देते थे, नसबंदियां होती थी, लोगों को बहुत सी यातनाएं सहन करनी पड़ी थी।
उन्होंने कहा कि इस आपात काल के दौरान करीब 1 लाख 10 हजार लोगों को जेल में बंद किया गया, इनमें पत्रकार भी शामिल रहे। बिजली सप्लाई बंद कर दी गई। उन्होंने कहा कि आपातकाल की स्थिति देश को किसी बाहरी खतरे के समय, आंतरिक अशांति के समय और वित्तीय संकट में घोषित की जाती है। वर्ष 1975 में हमारे देश में तब इनमें से कोई भी कारण नहीं था। अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता में आने पर इन यातना सहन करने वालों को मान सम्मान दिया। जिला अध्यक्ष तिजेंदर सिंह गोल्डी ने कहा कि 25 जून 1975 को देश लगाया गया था, जिसे आज 50 वर्ष पूरे हो गए हैं। तब लोगों को जेल में भेजा गया। संविधान में संशोधन करके उसे बदला गया। जो भारतीय संविधान का काला अध्याय माना जाता है, इसलिए इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष तिजेंदर सिंह गोल्डी, भाजपा नेता जवाहर सैनी, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, चेयरमैन धर्मवीर डागर, उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच, जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश, भाजपा नेता सुभाष कलसाना, आत्म प्रकाश मनचंदा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

गुप्त नवरात्रि आज से, मंदिरों में होगी देवी मां की विशेष पूजा, खरीदारी के बनेंगे 10 विशेष संयोग

अमित वालिया, सतनाली
सनातन धर्म में नवरात्रि का पर्व बहुत शुभ माना जाता है। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष में तीज-त्योहारों के साथ ही 26 जून से गुप्त नवरात्र की शुरूआत होगी। इस दौरान नौ दिन तक महाविद्याओं की खास साधना की जाएगी। यह मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा के लिए समर्पित है। गुप्त नवरात्रि को तंत्र-मंत्र और गुप्त सिद्धियों के लिए विशेष माना जाता है। इस दौरान देवी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कहते हैं कि इस दौरान कठिन उपवास करने से सभी तरह के रोग-दोष दूर होते हैं। गुप्त नवरात्रि में खरीदारी के लिए 10 से अधिक योग संयोग भी रहेंगे। वहीं छह जुलाई को देवशयनी एकादशी से चातुर्मास की शुरूआत होगी। इस दिन भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाएंगे। पंडित दिनेश मिश्रा के अनुसार जब भी नवरात्रि गुरुवार से प्रारंभ होती है तो मां पालकी (डोली) में सवार होकर आती है। गुप्त नवरात्रि के दौरान तेज बारिश के योग भी बनेंगे। देवी मंदिरों में घट स्थापना के साथ हवन, पुष्पांजलि और महाआरती होगी। सप्तशती के मंत्रों से यज्ञ में आहुतियां दी जाएंगी। शतचंडी, ललिता सहस्त्रनाम और सप्तशती का पाठ होगा।
खरीदारी के लिए ये 10 संयोग अहमः-
प. मिश्रा के अनुसार 26 जून सर्वार्थ सिद्धि योग, 27 को सर्वार्थ सिद्धि व राजयोग, 28, 29 को रवि योग, 30 जून को कुमार, रवि व सिद्धि योग, 1 जुलाई को रवि व त्रिपुष्कर योग, 2 को सर्वार्थ सिद्धि योग, 3 को रवि योग तथा 4 जुलाई को रवि व शिव योग खरीदारी के लिए शुभ योग है। गुप्त नवरात्रि के दौरान घटस्थापना समय 26 जून को सुबह 05 बजकर 25 मिनट से लेकर सुबह 06 बजकर 58 मिनट तक रहेगा जबकि अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 56 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 52 मिनट तक रहेगा।
गुप्त नवरात्रि में विशेष पूजा-अनुष्ठान का है महत्वः-
गुप्त नवरात्रि में शनि, राहु और केतु जैसे क्रूर ग्रहों की शांति के लिए विशेष पूजा-अनुष्ठान का महत्व होता है। जो जातक इन ग्रहों की अशुभ दशा से पीड़ित हैं, उन्हें इस गुप्त नवरात्रि में रुद्राभिषेक, दुर्गा सप्तशती पाठ और काली साधना जैसे विशेष उपाय करने चाहिए। गुप्त नवरात्रि खासतौर पर तांत्रिक साधना, विशेष अनुष्ठान और गुप्त उपासना के लिए जानी जाती है। गुप्त नवरात्रि समस्त मनोकामनाओं की पूर्ति करने वाली नवरात्रि है। ये व्रत करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। पूरे नौ दिनों तक मां आदिशक्ति के नव रूपों की पूजा-अर्चना की जाएगी। इस बार की गुप्त नवरात्रि तंत्र-साधना के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति का भी विशेष अवसर लेकर आ रही है। जो भक्त सच्चे मन से मां दुर्गा की उपासना करते हैं, उनके जीवन से नकारात्मकता दूर होकर सुख, शांति और समृद्धि आती है।

आईटीआई सोनीपत के प्रांगण में किया गया रोजगार मेले का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सोनीपत, 25 जून। जिला रोजगार अधिकारी सविता लांबा ने बताया कि उपायुक्त सुशील सारवान के निर्देशन में बुधवार को आईटीआई के प्रांगण में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में पुखराज हैल्थ केयर प्राईवेट लिमिटेड, एलआईसी ऑफ इंडिया गन्नौर ब्रांच, आईसीआईसीआई बैंक तथा एक्सिस बैंक कंपनी के अधिकारियों ने भाग लिया। इस मेले में 120 बेरोजगार प्रार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से कंपनियों द्वारा मौके पर 32 प्रार्थियों का चयन किया गया। इस दौरान सहायक रोजगार अधिकारी कनव वनायक, आकड़ा सहायक सुमित कुमार, लिपिक अजीत व सागर सहित कंपनियों के अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री-परिषद् की बैठक 26 जून को

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
चंडीगढ़, 25 जून। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में 26 जून को सुबह 11 बजे मंत्री-परिषद् की बैठक हरियाणा सिविल सचिवालय चंडीगढ़ की चौथी मंजिल पर मुख्य सभा कक्ष में होगी।

फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत 559 किसानों के कृषि यंत्रो के लिए जारी की गई 06 करोड़ 23 लाख 30 हजार रुपए की अनुदान राशि

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सोनीपत, 25 जून। उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि वायु प्रदूषण को रोकने व मिट्टी सुरक्षा को लेकर चलाई गई फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम के तहत कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 में जिन 559 किसानों द्वारा सुपर सीडर, बेलर व स्ट्रॉ रेक कृषि यंत्रो के लिए भौतिक सत्यापन करवाया गया था उनका लगभग 06 करोड़ 23 लाख 30 हजार रुपए की राशि डायरेक्टर बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से किसानों के खातो जारी की गई है। इसके अलावा ऐसे किसान जिन्होंने अपने कृषि यंत्रों का पहला भौतिक सत्यापन करवाया था और दूसरे भौतिक सत्यापन में नहीं पहुंच पाए थे उन 07 किसानों को भी 05 लाख 14 हजार रुपए की अनुदान राशि विभाग द्वारा जारी की गई है।
उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत किसानों को कृषि यंत्रों पर 70 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है, ताकि किसान कृषि यंत्र खरीद फसल अवशेषों को जलाने की बजाय मिट्टी में ही मिला सके। उन्होंने बताया कि इस स्कीम को लेकर जारी की गई राशि के संदर्भ में अगर किसी किसान को कोई जानकारी प्राप्त करनी है तो वह किसी भी कार्य दिवस पर उप-निदेशक कार्यालय व सहायक कृषि अभियंता कार्यालय आकर या फिर इन 8053664486, 9468351298 पर संपर्क करके प्राप्त कर सकते हैं।

नशा मुक्त हरियाणा के लिए 26 जून को लें शपथ : डीसी डॉ. विवेक भारती

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
नारनौल, 25 जून। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने जिला के सभी नागरिकों से 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर जीवन भर किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की शपथ लेने का आह्वान किया है। उन्होंने इस दिन के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना है।
डॉ. भारती ने बताया कि हरियाणा सरकार नशा मुक्ति के लिए लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में विगत महीने राज्य स्तर पर आयोजित साइक्लोथॉन का उद्देश्य भी लोगों को इस सामाजिक बुराई के प्रति जागरूक करना था।
उपायुक्त ने कहा कि 26 जून को हमारे पास एक और महत्वपूर्ण अवसर है, जब हम सब मिलकर यह शपथ लेंगे कि भविष्य में कभी भी किसी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करेंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि उन्हें नशे के अवैध कार्यों में लिप्त किसी व्यक्ति की जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत जिला प्रशासन को सूचित करें, ताकि उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

हरियाणा वाटिका
Email- haryanavatika@gmail.com

कुवि के विद्यार्थियों को 28 जून तक जमा करनी होगी एबीसी आईडी

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 25 जून। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार जारी अधिसूचना के अनुसार सभी छात्र जिन्होंने मई या दिसंबर 2024 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किसी भी परीक्षा को पास किया है, और अभी तक अपने संबंधित कॉलेज/विभाग/संस्थान में अपनी एबीसी आईडी जमा नहीं की है, उन्हें 28 जून 2025 तक ऐसा करना आवश्यक है। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महा सिंह पूनिया ने बताया कि डिजिलॉकर पर अपलोड किए गए डीएमसी (विस्तृत अंक प्रमाण पत्र) व्यापक रूप से स्वीकार किए जाते हैं जो खासकर विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों के लिए लाभकारी है। आईटी सेल के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार मित्तल ने बताया कि छात्रों को किसी भी असुविधा से बचने के लिए अपनी एबीसी आईडी समय पर जमा करना सुनिश्चित करने की दृढ़ता से सलाह दी गई है। निर्धारित समय तक एबीसी आईडी जमा न कराने पर उनका शैक्षणिक डेटा डिजिलॉकर पर उपलब्ध नहीं होगा और इससे उत्पन्न होने वाली किसी भी कठिनाई के लिए छात्र स्वयं जिम्मेदार होगा।

कांग्रेस संगठन को लेकर ऑब्जर्वरस फिर आएंगे कैथल , रेस्ट हाउस में जिलाध्यक्ष पद पर आवेदकों के होंगे इंटरव्यू

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 25 जून। संगठन सृजन अभियान के तहत कैथल में कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष बनाने को लेकर दोबारा फिर से "जिलाध्यक्ष पद" हेतु किए गए आवेदन को लेकर आवेदक के इंटरव्यू और कांग्रेस कार्यकताओं से विचार विमर्श कर उनकी राय जानने पहुंचेंगे एआईसीसी ऑब्जर्वर विनोद सुल्तानपुरी जी, पीसीसी ऑब्जर्वर पूर्व विधायक मेवा सिंह, धर्मपाल गुप्ता व सतेंद्र मोर। ऑब्जर्वर सतेंद्र मोर ने जानकारी देते हुए कहा कि कल 26 जून 2025, दिन वीरवार, को सुबह 10:00 बजे से शामः 05:00 बजे तक पीडब्ल्यूडी ,रेस्ट हाउस, कैथल में सभी ऑब्जर्वरस कैथल के कांग्रेस कार्यकताओं और जिलाध्यक्ष पद पर जिन्होंने आवेदन किए हैं उन सभी आवेदको के इंटरव्यू करेंगे और कैथल जिले के सभी कांग्रेस कार्यकताओं से उनकी राय जानेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने की जनसुनवाई, सम्बन्धित अधिकारियों को शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

चंडीगढ़, 25 जून। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास पर नागरिकों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुना। बातचीत के दौरान मंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा और संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक मुद्दे को निर्धारित समय सीमा के भीतर हल करने के निर्देश दिए। मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार और नागरिकों को समय पर, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्राप्त करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा के हर कोने तक पहुंचें। कोई भी शिकायत अनसुनी या अनसुलझी नहीं रहनी चाहिए। प्रदेश सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को त्वरित, पारदर्शी और कुशल सेवाएं प्रदान करना है।

युवक को अज्ञात वाहन ने कुचला, मौत

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 25 जून। चोपटा क्षेत्र में एक युवक को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर चोपटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के परिजनों का बयान दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जानकारी अनुसार जिला पूर्णिया बिहार निवासी 35 वर्षीय मुनील ऋषि अपने साथियों के साथ नाथूसरी कलां में धान रोपाई का काम करने के लिए आया हुआ था। बीती रात वह सामान लेने चौपटा जा रहा था। रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। बुधवार दोपहर को शव का पोस्टमार्टम करके परिजनों को सौंप दिया गया।

कांग्रेस को संगठनात्मक तौर पर मजबूत करने के प्रयास जारी: क्रिस्टोफर

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 25 जून। एआईसीसी ऑब्जर्वर क्रिस्टोफर तिलक, एचपीसीसी ऑब्जर्वर शमशेर सिंह गोगी, कृष्ण सातरोड व राजबीर वर्मा बुधवार को कांग्रेस भवन सिरसा में मीडिया से रूबरू हुए और कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनाने से संबंधित अहम जानकारी सांझा की।

पत्रकारों से बातचीत में ऑब्जर्वरों ने कहा कि कांग्रेस को संगठनात्मक तौर पर मजबूत करने के लिए उन्हें धरातल पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए सिरसा जिला की पांचों विधानसभाओं में कार्यकताओं से चाय पर चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि 27 जून तक वे सिरसा रहेंगे जो भी कार्यकर्ता मिलना चाहे आवेदन करना चाहे तो कर सकता हैं ।उसके बाद एक रिपोर्ट कांग्रेस हाईकमान को सौंपी जाएगी, इसके बाद जिलाध्यक्ष की नियुक्ति होगी। उन्होंने कहा कि देश की मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। बीजेपी की ये पॉलिसी रही है कि अगर कोई बीजेपी के खिलाफ बोलता है, तो उसकी आवाज को दबा दिया जाता हैं। देश का मीडिया भी इससे अछूता नहीं रहा। कांग्रेस की ऐसी बहुत सी योजनाएं थी जिसे योजनाबद्ध तरीके से नाम परिवर्तित कर नए तरीके से पेश किया गया। आज आम आदमी के अधिकारों पर कुठाराघात हुआ है। ऑब्जर्वरों ने कहा कि कांग्रेस संगठनात्मक तौर पर मजबूत करने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे है। राहुल गांधी को टाइम टू टाइम अपडेट किया जा रहा है। बीती 20 जून को भी राहुल गांधी के साथ बैठक हुई थी, महत्वपूर्ण जानकारियां सांझा करने के साथ साथ आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्राप्त हुए है। इसी के आधार पर अब आगे की रणनीति बनाई गई है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं व कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे शीघ्र अतिशीघ्र आवेदन जमा करवाए। ताकि सिरसा जिला को अध्यक्ष मिल पाए। ऑब्जर्वरों ने ये भी स्पष्ट किया कि आवेदनकताओं के इंटरव्यू चल रहे है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया एम3एम फाउंडेशन की नींव से शिखर तक पहल का फ्लैग ऑफ

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

कुरुक्षेत्र, 25 जून। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों की प्रेरणादायक सेवा के उपलक्ष्य में एम3एम फाउंडेशन ने एक ऐतिहासिक पहल की है। फाउंडेशन ने हरियाणा की आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आने वाली 11 बेटियों को निःशुल्क पर्वतारोहण प्रशिक्षण का अवसर देकर उनके सपनों को पंख दिए हैं।

इन बालिकाओं का चयन 200 से अधिक आवेदनों में से किया गया। यह सभी प्रतिभाशाली बेटियाँ अब अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड एलायड स्पोर्ट्स, मनाली में 1 जुलाई से 26 जुलाई 2025 तक चलने वाले 26 दिवसीय बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स में भाग लेंगी। इस विशेष कार्यक्रम को नींव से शिखर तक नाम दिया गया है। इसका उद्देश्य है झ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की लड़कियों को पर्वतारोहण जैसी चुनौतीपूर्ण विधा में प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त और प्रेरणास्रोत बनाना। यह कार्यक्रम एम3एम फाउंडेशन द्वारा हर दो साल में चार बैचों के

माध्यम से आयोजित किया जाएगा, और उनमें से 5 चयनित बेटियों को माउंट एवेरेस्ट ट्रैकिंग का सुनहरा अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज कुरुक्षेत्र से इन बेटियों को 'फ्लैग ऑफ' कर उनके हौसले को सलाम किया और उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर एम3एम फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री ऐश्वर्या महाजन और फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. पायल कनोडिया भी उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर डॉ. पायल कनोडिया ने कहा कि एम3एम फाउंडेशन यह मानती है कि अगर अवसर मिले तो कोई भी बच्चा अपनी सीमाओं को पार कर सकता है। ह्यनींव से शिखर तकह्न सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व और सपनों को साकार करने का माध्यम है। यह पहल प्रधानमंत्री के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और कौशल भारत जैसे अभियानों को सशक्त करती है। यह सामाजिक उत्तरदायित्व का एक जीवंत उदाहरण है, जिससे न केवल बेटियाँ आगे बढ़ेंगी, बल्कि देश को नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी।

प्रदेश का कोई भी क्षेत्र विकास से नहीं अछूता: रणबीर गंगवा

भारत बना दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था, जल्द टॉप थ्री में होंगे शामिल

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 25 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। पिछले 11 साल में हुए ऐतिहासिक निर्णयों व विकास कार्यों की बदौलत आज भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बना है और जल्द ही हम दुनिया की तीन बड़ी अर्थव्यवस्था में शामिल होंगे।

यह बात कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने बुधवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठद्द नेता अशोक गुज्जर, जिला अध्यक्ष यतिंद्र सिंह एडवोकेट, पूर्व विधायक रामचंद कंबोज, जगदीश चोपड़ा, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, प्रदीप रातुसरिया आदि गणमान्य उपस्थित थे। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ-सबका विकास के साथ सबका विश्वास जीतने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में भारत की अलग पहचान बनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अर्थव्यवस्था के मामले में 11वें स्थान से आज दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था में शामिल हो गया है। भारत दुनिया की तीन बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में शामिल होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गांव में शहरी तर्ज पर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं: कैबिनेट मंत्री ने कहा कि देश व प्रदेश में पिछले 11 साल में अनेकों जनहितैषी कार्य हुए हैं। आज प्रदेश का कोई क्षेत्र विकास से अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के चारों ओर सडकों जाल बिछा हुआ है। प्रदेश का कोई ऐसा जिला नहीं है, जो हाइवे से ना जुड़ता हो। इस प्रकार से विकास कार्यों की कोई कमी नहीं और आगे भी इसी तरह विकास कार्य जारी रहेंगे। गांव में शहरी तर्ज पर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

उन्होंने अपराध को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कानून व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। कोई भी व्यक्ति प्रदेश की कानून व्यवस्था को बिगाड? का काम करेगा, उसको किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सरकार अंत्योदय व राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एमएसपी पर 24 फसलें खरीद रही हैं। किसानों के खाते में फसल की सीधी पेमेंट की जा रही है। बारिश के मौसम में जलभराव से निपटने की तैयारियों को लेकर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार की पूरी तैयारी है। सभी अधिकारियों को पानी निकासी व साफ-सफाई व्यवस्था और दुरूस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

हादसे में गाड़ी सवार एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 25 जून। तोशाम से हांसी जाते समय बाईपास मार्ग से निकलते ही गाड़ी के आगे आवारा पशु आ जाने से गाड़ी पलट गई, हादसा इतना भयंकर था कि गाड़ी सड़क से नीचे करीबन 300 फीट तक पलटे खाते हुए गई और आगे जाकर पेड़ में टक्कर लगने के बाद रुकी। जिसके कारण गाड़ी चालक आलमपुर निवासी 38 वर्षीय व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि गाड़ी में पीछे बैठे एक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसको उपचार के लिए हिसार ले जाया गया जहां उसका उपचार चल रहा है। पीछे बैठे दूसरे व्यक्ति को कुछ चोट लगी, सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

गाड़ी मालिक तोशाम निवासी अशोक ने बताया कि आलमपुर निवासी विनय उसकी गाड़ी चलाता था। विनय आलमपुर, तोशाम निवासी गौरव व उमेद सिंह किसी काम से हांसी जा रहा थे। हांसी मार्ग पर जब वे बाईपास के नजदीक पहुंचे तो गाड़ी के आगे आवारा पशु आ गया जिसके कारण गाड़ी पलट गई। जिसके कारण गाड़ी चालक आलमपुर निवासी 38 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि गाड़ी में पीछे बैठे व्यक्तियों में से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसको उपचार के लिए हिसार ले जाया गया जहां उसका उपचार चल रहा है। पीछे बैठे दूसरे व्यक्ति को मामूली चोट लगी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के परिजनों की शिकायत पर इत्तफाकिया कार्रवाई की है।

इस बारे में थाना प्रभारी महाबीर ने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत पर इत्तफाकिया कार्रवाई की है।

नशा मुक्त भारत पखवाड़ा आयोजित

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 25 जून। स्थानीय चौधरी बंसीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान लोगों में नशे के विरुद्ध जागरूकता लाने के लिए महाविद्यालय के विद्यार्थियों को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में अवगत करवाया गया ताकि वह समाज में फैलने वाले नशे के प्रयोग को कम करने में अपना योगदान दे सकें। इस दौरान नशा मुक्त भारत पखवाड़े के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक, शपथ, सेमिनार,पोस्टर मेकिंग, हस्ताक्षर अभियान सहित जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। इस अभियान के दौरान महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर मंजीत सिंह सहित करीबन 120 विद्यार्थी तथा महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों ने अहम योगदान दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ मंजीत सिंह ने छात्राओं को नशे के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में अवगत कराया तथा छात्राओं के साथ महाविद्यालय प्रांगण से लेकर सुरेंद्र सिंह चौक तक नशे के विरुद्ध जागरूकता रैली निकाली गई।

प्रदेश के हर जिला मुख्यालय पर सरकारी अस्पताल में हर बीमारी का होगा निःशुल्क ईलाज : नायब सिंह सैनी

प्रदेश में 15 अगस्त से होगा निःशुल्क ईलाज योजना का शुभारंभ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नागरिकों के बीच बैठ कर सुनी समस्याएं

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 25 जून। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा के हर जिला मुख्यालय के एक सरकारी अस्पताल में हर प्रकार की बीमारी का निःशुल्क ईलाज किया जाएगा। इस प्रदेश में जिला मुख्यालय के सरकारी अस्पताल में निःशुल्क ईलाज करने की योजना 15 अगस्त को शुरू हो जाएगी। इन अस्पतालों को तमाम सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इन राजकीय अस्पतालों में मरीजों को आयुष्मान योजना के तहत भी ईलाज की सुविधा मिलेगी। इतना ही नहीं, इन जिला मुख्यालय के सरकारी अस्पतालों में एक कमेटी का भी गठन होगा। यह कमेटी ही मरीज को पीजीआई या अन्य उच्च स्तरीय अस्पताल के लिए रैफेर करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को गांव किशनपुरा के सामुदायिक केंद्र और गिरदारपुर के गुरुद्वारा साहिब के सभागार में ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद कर रहे थे। इन गांवों में मुख्यमंत्री ने लोगों के बीच बैठकर समस्याओं को सुना और उनका समाधान करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इन गांवों में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लोगों के साथ मिलकर पौधा रोपण भी किया। इन कार्यक्रमों के दौरान मुख्यमंत्री ने गांव किशनपुरा और गिरदारपुरा में विकास कार्यों के लिए 21-21 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की घोषणा भी की है। इसके साथ ही गांव किशनपुरा में सरपंच

संजीव कुमार द्वारा रखी गई 15 मांगों और गिरदारपुरा में सरपंच द्वारा रखी गई सभी मांगों को विभाग के माध्यम से पूरी की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि लाडवा विधानसभा की जनता के कारण विधायक बने और आज मुख्यमंत्री के पद पर है। अब लाडवा को हरियाणा में बड़े श्रद्धा के साथ देखते हैं। सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वह हल्का की जनता की समस्याओं को सुन कर तुरंत समाधान करें। इस जिले में अधिकारी भी निर्देश की पालना बखूबी कर रहे हैं। पिछले करीब 4 महीने में लाडवा विधानसभा में 110 करोड रुपए के विकास कार्य के काम चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने किसानों की चिंता करते हुए सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदने का काम किया है। इसके अलावा भावांतर भरपाई योजना के तहत फसल के मूल्य के अंतर को पूरा करने का काम कर रही है। साथ ही गरीबों के लिए आवास उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जा रही है। भाजपा सरकार हरियाणा प्रदेश में मिशन मोड में काम कर रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह कार्यक्रम हल्का वासियों को मिलने के लिए तय किया गया है। जिस किसी भी परिवार की कोई शिकायत है, वह अपनी लिखित शिकायत दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी समय अपनी शिकायत को उपायुक्त नेहा सिंह, संबंधित अधिकारियों और मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी को दे सकते हैं। यदि कोई इमरजेंसी है तो चंडीगढ़ आकर भी मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों ने उनको बहुत अधिक प्यार और सम्मान दिया। उसी सम्मान की बदौलत ही प्रदेश में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आई है। प्रदेश के कार्यक्रमों के तहत जब भी समय मिलता है तब ही लाडवा के गांव का कार्यक्रम बनाकर हल्के की जनता के बीच पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि वोटिंग के बाद पहली बार आपके गांव में पहुंचा हूं। सरकार बनाने में सहयोग करने पर गांव के सभी लोगों का धन्यवाद करता हूं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज संविधान हत्या दिवस के 50 वर्ष पूरे हुए हैं। यह वो दिन है, जब 50 साल पहले इमरजेंसी घोषित की गई थी जो आजादी के बाद सबसे बड़ा और अंग्रेजों के बराबर का अत्याचार रहा है। हर व्यक्ति को भय बना हुआ था। करीब 1 लाख लोगों की जबरदस्ती नसबंदी कर दी गई थी। लोगों को मजबूरन अपने घरों से निकलकर ईख के खेतों में रहना पड़ा था। उन्होंने कहा कि आने वाली युवा पीढ़ी को इस तरह की घटनाओं के बारे में मालूम होना चाहिए। जब युवाओं को इतिहास का पता होगा तो वह दोबारा उसे बुरे दौर को नहीं आने देंगे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, भाजपा जिला अध्यक्ष तिजेंदर सिंह गोल्डी, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, सरपंच किशनपुरा संजीव, सरपंच गिरदारपुर गुरमीत कौर, सरदार हरमेहर सिंह, बरखा राम, नायब सिंह पटाक माजरा, देवेंद्र सिंह, जोगिंदर सिंह, अवतार सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

जिला परिषद कोटे से लोहारू हल्के में होंगे 5.26 करोड़ रुपए के विकास कार्य : चेयरपर्सन अनिता मलिक

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 25 जून। जिला परिषद कोटे के तहत लोहारू हल्के में विकास कार्यों की गंगा बहेगी इस दौरान हल्के में करोड़ों रुपए के विकास कार्य होंगे। क्योंकि जिला परिषद चेयरपर्सन अनिता मलिक ने बहल ब्लॉक, सिवानी ब्लॉक व लोहारू ब्लॉक के लिए 5.26 करोड़ रुपए जारी कर विकास कार्य शुरू करवा दिए हैं। मलिक ने कहा की पूरे भिवानी जिले में बिना किसी भेदभाव के समान रूप से विकास कार्य करवाए जा रहे है।

चेयरपर्सन अनिता मलिक ने बताया कि इसके तहत चहड़ कला में गली निर्माण 13.90 लाख रुपए की लागत से होगा, गांव मंढोली में सार्वजनिक चौक में शेड निर्माण पर 19.97 लाख रुपए की राशि खर्च होगी गांव हरियावास में रास्ता निर्माण पर 10.63 लाख रुपए खर्च होंगे तो गांव पातवान में शेड निर्माण के दौरान 15.90 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। इसी कड़ी में गांव मंढोली कला में एससी चौपाल निर्माण में 14.79 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। वहीं वार्ड न. 17 में वाटर कूलरों के लिए 15 लाख रुपए, वार्ड न. 17 में जिम के लिए 12 लाख रुपए तथा गांव बैरान, गोपालवास, मंढोली में बस क्यू निर्माण के लिए 30 लाख रुपए, गांव श्यारपुर में नाला निर्माण के लिए 20 लाख रुपए, गांव खेड़ा में गली निर्माण के लिए 13 लाख रुपए, वार्ड न. 22 में जिम के लिए 15 लाख रुपए, गांव बड़वा में शेड निर्माण के लिए 4.41 लाख रुपए, बड़वा गांव में स्वागत द्वार निर्माण के लिए 4.41 लाख रुपए, बड़वा कसरा निर्माण के लिए 3.25 लाख रुपए, बड़वा शेड निर्माण के लिए 6.30 लाख रुपए, बड़वा सैन समाज चौपाल निर्माण के लिए 5.8 लाख रुपए, बड़वा नायक चौपाल हॉल निर्माण के लिए 9.43 लाख रुपए, कुल 12 ई रिक्शा वार्ड 22 के लिए 30 लाख रुपए, वार्ड न. 22 में पाइप लाइन के लिए 34.50 लाख रुपए, बड़वा में पार्क निर्माण के लिए 37 लाख रुपए, ढाणी भाखरा जोहड़ खुदाई के लिए 17 लाख रुपए, झुप्पा जोहड़ खुदाई के लिए 12 लाख रुपए, गांव लितानी में जोहड़ खुदाई के लिए 12 लाख रुपए, ढाणी भाखड़ा में पाइप लाइन के लिए 4 लाख रुपए, वार्ड 21 में जिम के लिए 12 लाख रुपए, गांव कुढल में शेड निर्माण के लिए 17 लाख रुपए, कुढ़ल में गली निर्माण के लिए 14.69 लाख रुपए, कुढ़ल में गली निर्माण के लिए 20.33 लाख रुपए, ढिगावा में नाला निर्माण के लिए 7 लाख रुपए, वॉर्ड 20 में 12 पानी की टंकी निर्माण के लिए 18 लाख रुपए, कुढ़ल में पाइप लाइन के लिए 23 लाख रुपए, वार्ड 20 में जिम के लिए 15 लाख रुपए, बुधशैली में बीसी चौपाल के निर्माण हेतु 12 लाख रुपए, किकराल में हाल निर्माण के लिए 13 लाख रुपए, सिलावली शमशान घाट चार दीवारी निर्माण के लिए 10 लाख रुपए, ढाणी भाकरा में शेड निर्माण के लिए पांच लाख रुपए, खेड़ा ढाणी बल्हारा से सुरेश की ढाणी तक गली निर्माण के लिए 13 लाख रुपए,

चाहड़ कला मेन रोड से धोलिया कुआ तक गली निर्माण के लिए 13.9 लाख रुपए, कुढ़ल कनहिया पं. से अजय के घर तक गली निर्माण के लिए 14.69 लाख रुपए, कुढ़ल में प्रदीप के घर से शेर सिंह की ढाणी तक गली निर्माण के लिए 20.33 लाख रुपए की राशि जारी की गई है। इस प्रकार लोहारू हल्के में जिला परिषद के कोटे से चेयरपर्सन अनिता मलिक के नेतृत्व में करीबन 5.26 करोड रुपए की राशि से विकास कार्य होंगे।

फर्टिलाइजर फैक्ट्री पर कसेगा शिकंजा, संचालक पर केस दर्ज, सैंपल की रिपोर्ट का इंतजार

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 25 जून। सिरसा में फर्टिलाइजर फैक्ट्री पर सीएम फ्लाइंग की छापेमारी के बाद कृषि विभाग ने एक तरफ संचालक पर पुलिस केस दर्ज करवा दिया है। दूसरी तरफ विभाग इस पर शिकंजा कसेगा। इसके लिए विभाग की फैक्ट्री में बनने वाले उत्पाद पर निगरानी रहेगी और सैंपलिंग जांच करवाई जाएगी। अब बाकी सैंपलों की जांच रिपोर्ट आने का इंतजार है।

फर्टिलाइजर फैक्ट्री में सीएम फ्लाइंग टीम छापा मारने पहुंची तो उस समय काफी अनियमितताएं मिली थी। टीम ने 80 बैग नकली खाद बरामद कर कब्जे में लिए थे और हर बैग का वजन 10 किलो था। बैग पर सल्फेट लिखा था। ऐसे में उन सभी के सैंपल जांच के लिए भिजवाए। टीम जाते समय ट्रक भरकर फर्टिलाइजर के प्रोडेक्ट लेकर गई थी। इसके बाद कृषि विभाग ने फैक्ट्री संचालक गुरप्रीत के खिलाफ केस दर्ज करवाया। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले सोमवार को हिसार सीएम फ्लाइंग की इंचार्ज एसआई सुनैना के नेतृत्व में ने सिरसा के खैरका गांव में स्थित फर्टिलाइजर फैक्ट्री में छापेमारी की थी। इस दौरान बायो एवं केमिकल फर्टिलाइजर प्रोडेक्ट में अनियमितताएं मिली थी। किसी प्रोडेक्टर पर लेबल नहीं था तो किसी पर मार्का या किसी कंपनी का नाम नहीं था। अधिकांश फर्टिलाइजर से भरे बैग बरामद हुए थे, उन पर कोई एक्सपायरी डेट नहीं थी। ऐसे में उन सभी के सैंपल भरवाए थे। दूसरी तरफ फैक्ट्री संचालक गुरप्रीत का कहना है कि उनके पास सरकार का लाइसेंस है, उसी अनुसार फर्टिलाइजर प्रोडेक्ट बनाए जाते हैं। अब तक एक सैंपल फेल मिला है, उसकी दोबारा जांच कराने को अपील दायर की हुई है। वह सैंपल हमारी लैब में पास था।

नपा कर्मचारी संघने मांगों को लेकर कृषि मंत्री श्याम सिंह को नाम ज्ञापन सौंपा

कर्मचारियों की मांग,ठेका प्रथा खत्म कर कर्मचारियों को रोल पर रखा जाए

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी
रादौर, 24 जून। नगरपालिका कर्मचारी संघ द्वारा अपनी मांगों को लेकर कर्मचारियों ने कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कर्मचारियों ने सरकार से मांग की कि सरकार सफाई, सीवरेज के कार्यो में ठेका प्रथा खत्म कर कर्मचारियों को रोल पर रखे। विभिन्न विभागों में दैनिक वेतनभोगी ठेका कर्मचारी, एचकेआरएन, पेरोल पर कार्यरत कर्मचारियों को किश्तो में पक्का करने की बजाय एकमुक्त पक्का किया जाये। सभी विभागों में ग्रुप सी व डी के खाली पड़े पदो पर कर्मचारियों की पक्की भर्ती की जाये। 2023 के पत्र के अनुसार 4268 सफाई कर्मचारी व 68 सीवरेज कर्मचारियों के रिक्त पदो पर नियमित भर्ती के माध्यम से लगे सफाई व सीवरेज कर्मचारियों को पक्का किया जाये। एसग्रेसिया पोलिसी को सरल बनाते हुए 5 वर्ष की सर्विस लेंस की बजाय 2 वर्ष व 52 वर्ष की बजाय 55 वर्ष करने का प्रावधान किया जाये। वहीं डोर टू डोर कर्मचारी, एचकेआरएन व फायर ब्रिगेड कर्मचारियों की मृत्यु होने पर उनके आश्रितो को नौकरी व 10 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाये। मुख्यमंत्री की घोषणा अनुसार सभी कच्चे कर्मचारियों का वेतन 27 हजार रुपए किया जाये। सफाई कर्मचारी व सीवरेज कर्मचारियों के पद सृजित कर पक्की नौकरी दी जाये। नगरनिगम के बर्खास्त 26 कर्मचारियों को बर्खास्त तिथि से वेतन सहित बहाल किया जाये। 2534 कर्मचारियों को 30 जून 2022 के पत्रानुसार एचकेआरएन में किया जाये। सभी सफाई कर्मचारियों, जोखिम में काम करने वाले कर्मचारियों को 5 हजार रुपए जोखित भत्ता व पार्ट-1, एचकेआरएन व फायर के कर्मचारियों को एलटीसी दी जाये। निगमो, परिषदो व पालिकाओं में लगे दैनिक वेतनभोगी एवं डीसी रेट पर लगे कर्मचारियों पर निगम रेट लागू किया जाये।

धूमधाम से मनाई जाएगी गुरु दक्ष प्रजापति जयंती: गंगवा, प्रदेश के मुख्यमंत्री होंगे मुख्यातिथि

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 25 जून। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि आगामी 13 जुलाई को भिवानी में गुरु दक्ष प्रजापति जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि होंगे।
उन्होंने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यह आयोजन प्रजापति समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और मूल्यों को उजागर करने वाला एक महत्वपूर्ण सामाजिक पर्व होगा। यह दिवस समाज में प्रेरणा, जागरूकता और एकता का संदेश देगा। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि वे आगामी 13 जुलाई को भिवानी अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें। इस मौके पर कुंभाराम सिंहमार, जीत सिंह जलंधरा, रामचंद्र नोखवाल, पृथ्वी सिंह मलेठिया, रामानंद निराणिया, रामेश्वर दास सार्डिवाल, लक्ष्मीचंद प्रजापत, भीम सिंह करड़वाल, सतपाल घंटेलवाल, नत्थूराम सरपंच, अमर सिंह सरपंच, सुभाष सरपंच, जसवंत सिंह सरपंच, नरेंद्र आर्य, मलिक डाल, सतवीर वर्मा, गुरदेव राही, रामचंद्र कंबोज सहित समाज के प्रबुद्धजन मौजूद थे।

न्यूज फ्लैश

नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट संपन्न

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 25 जून। प्रतापगढ़ क्रिकेट ग्राउंड में विशाल नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट का बुधवार को समापन हो गया। समापन कार्यक्रम में युवा कांग्रेस महासचिव मोहित शर्मा ने खिलाडि ?ों का हौसला बढ़ाया और आयोजकों को इस शानदार आयोजन के लिए बधाई दी।
मोहित शर्मा ने कहा कि खेल सिर्फ प्रतिस्पर्धा नहीं, यह युवाओं को अनुशासन, सम्मान और सामाजिक एकता का संदेश देता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे खेलों को जीवन का हिस्सा बनाएं और नशे व गलत संगत से दूर रहें। शर्मा ने कहा कि स्व. होशियारी लाल शर्मा की स्मृति में हुआ यह आयोजन प्रेरणादायक है। उनकी सोच और संस्कार आज भी युवाओं को मार्गदर्शन दे रहे हैं। समापन समारोह के दौरान विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व नकद राशि सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मोहित शर्मा के साथ विशाल सोनी, मुकेश वर्मा, मोहित मेहता, गौतम शर्मा, शुभम गर्ग, विकास शर्मा आदि मौजूद थे। इस मौके पर ऋषि खुराना, तनु धमीजा, अरविंद कासनियां, अनवर मलिक, कोकी वर्मा, बॉबी वर्मा, अश्वनी सैनी, रिंकू शर्मा, राम सिंह सैनी, बिल्लू, नीरज, सैम मलिक, चंद्रभान वर्मा, सुनील ढाका आदि मौजूद थे।

युवक अवैध पिस्तौल सहित गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 25 जून। एबीवीटी स्टाफ सिरसा पुलिस टीम ने गश्त व चैकिंग के दौरान गांव चाहरवाला क्षेत्र से एक युवक को अवैध पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया है।
नाथुसरी चोपटा थाना के प्रभारी निरीक्षक राजकुमार ने बताया कि एबीवीटी स्टाफ सिरसा पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान गांव चाहरवाला में मौजूद थी। इस दौरान एक युवक गांव चाहरवाला से जोगीवाला रोड की ओर जा रहा था। युवक ने पुलिस पार्टी को देखकर वापस मुडकर खिसकने का प्रयास किया। पुलिस ने शक के आधार पर युवक को काबू कर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जा से एक अवैध पिस्तौल बरामद हुई। आरोपी की पहचान मंगल सिंह निवासी गांव चाहरवाला के रुप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना नाथूसरी चोपटा में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

बाइक सवार 4 किलो 990 ग्राम चूरापोस्त सहित काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 25 जून। सीआईए सिरसा पुलिस ने गश्त और चैकिंग के दौरान गांव लकड़ावाली क्षेत्र से बुलेट बाइक सवार युवक को 4 किलो 990 ग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है।
बडागुढ़ा थाना प्रभारी उप निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि सीआईए सिरसा की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव लकड़ावाली में मौजूद थी। पुलिस ने इस दौरान सामने से बुलेट बाइक पर आ रहे युवक को रोककर उसकी तलाश ली तो उसके कब्जा से 4 किलो 990 ग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ। आरोपी की पहचान बलजीत सिंह पुत्र अवतार सिंह निवासी गांव लकड़ावाली के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना बडागुढ़ा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

बाइक सवार दो युवक 7.17 ग्राम हैरोइन सहित गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 25 जून। सीआईए सिरसा पुलिस ने गश्त व चैकिंग के दौरान गांव भावदीन क्षेत्र में बाइक सवार दो युवकों को 7 ग्राम 17 मिलीग्राम हैरोइन सहित गिरफ्तार किया है।
डिंग थाना प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार ने बताया कि सीआईए सिरसा की एक पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान गांव भावदीन क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान सामने से बाइक पर सवार होकर आ रहे दो युवकों को पुलिस ने शक के आधार पर रोककर तलाशी ली तो उनके कब्जा से 7 ग्राम 17 मिलीग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपियों की पहचान हरदीप सिंह पुत्र जसविंद्र सिहं व राजेश उर्फ गग्गू पुत्र नवल निवासी भावदीन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ डिंग थाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पॉकेट मारी मामले में दो अन्य आरोपी काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 25 जून। ऐलनाबाद थाना पुलिस ने पॉकेट मारी करने के मामले में दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान श्याम पुत्र सुरज निवासी वार्ड नंबर 5 श्रीगंगानगर व बंटी पुत्र प्रगट सिंह निवासी गोनियाना मंडी पंजाब के रूप में हुई है, जो राजस्थान और पंजाब के निवासी हैं।
पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर 5500 रुपए की राशि बरामद की है। इससे पहले पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 5000 रुपए की राशि और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की थी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए सभी पांच आरोपी नशा करने के आदी हैं और नशे की लत के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रतिस्पर्धात्मक युग में सूचना प्रौद्योगिकी व मीडिया टूल्स का प्रयोग अत्यंत आवश्यक: कुलपति

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 25 जून। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति प्रोफेसर विजय कुमार ने बुधवार को विश्वविद्यालय के टैगोर एक्सटेंशन हॉल में विभिन्न विभागों एवं यूनिवर्सिटी स्कूल फॉर ग्रैजुएट स्टडीज में कार्यरत अनुबंधित सहायक प्राध्यापकों को विश्वविद्यालय के सतत विकास, शिक्षण गुणवत्ता और उच्च शिक्षा के उन्नयन के लिए प्रेरित किया।
कुलपति ने सहज व प्रेरणादायक शैली में प्राध्यापकों के साथ संवाद स्थापित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में परिवर्तन लाने का सशक्त उपकरण है। उन्होंने कहा कि जो शिक्षक निष्ठा, समर्पण और नवाचार के साथ कार्य करता है, वह न केवल विद्यार्थियों का भविष्य संवारता है, बल्कि स्वयं की भी पहचान गढ़ता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की समग्र शैक्षणिक, मानसिक, भावनात्मक एवं नैतिक उन्नति सुनिश्चित करना शिक्षकों का प्रमुख दायित्व है।
इस दिशा में अनुबंधित प्राध्यापकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी नियमित शिक्षकों की। उन्होंने कहा कि इस प्रतिस्पर्धात्मक युग में सूचना प्रौद्योगिकी व मीडिया टूल्स का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है। ऐसे शिक्षक जो आधुनिक तकनीकों का प्रयोग कर अध्यापन करते हैं, वे विद्यार्थियों से बेहतर संवाद स्थापित कर पाते हैं और उन्हें 21वीं सदी के कौशलों से लैस कर पाते हैं। प्रोफेसर विजय कुमार ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे शोध व नवाचार को अपने शिक्षण का अभिन्न अंग बनाएं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अब उच्च शिक्षा संस्थानों का दायित्व केवल ज्ञान-संचार तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उनका कार्य मल्टीडिसिप्लिनरी, स्किल-बेस्ड, वैल्यू-ओरिएंटेड एवं रिसर्च-इंसेंटिव एजुकेशन को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विश्वविद्यालय प्रशासन अनुबंधित प्राध्यापकों की समस्याओं को गंभीरता से लेता है और उनके उचित समाधान के लिए कृतसंकल्प है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर अशोक शर्मा, शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रोफेसर सुरेश गहलावत, डीन रिसर्च प्रोफेसर प्रियंका सिवाच, डीन यूएसजीएस प्रोफेसर सुशील कुमार, तथा डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रोफेसर राजकुमार उपस्थित रहे।

बिना जांच के खत्म नहीं होगा आंदोलन: सैनी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 25 जून। शिवपुरी के गेट पर नगरपरिषद अधिकारियों के घोटाले के खिलाफ सांकेतिक धरना दे रहे पूर्व पार्षद सुशील सैनी ने कहा कि भ्रष्टाचार की जांच के बिना वे अपना आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि कथित भाजपा नेता के खिलाफ प्रशासन को कार्रवाई करनी ही पड़ेगी।
सैनी ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि एसआईटी गठित करके भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच शुरू न की तो नगर परिषद के गेट पर प्रशासन का पुतला फूंकेंगे। आज धरने को नौ दिन हो गए हैं लेकिन प्रशासन टस से मस नहीं हुआ, इससे साबित होता है कि प्रशासन भाजपा नेता के दबाव में है। उन्होंने कहा कि नगरपरिषद के अफसरों ने मिलीभगत करके बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया है और इस घपले में कथित भाजपा नेता का भी हाथ है। अगर कार्रवाई नहीं हुई तो वे प्रशासन की शव यात्रा निकालेंगे। नगर परिषद में 200 करोड़ का घोटाला पिछले पांच साल में हुआ है। समाजसेवी गुरलाल ने कहा कि नगरपरिषद के अधिकारियों के खिलाफ वे हाईकोर्ट जाएंगे और घोटाले में शामिल अधिकारियों की सेलरी अटैच करने की मांग करेंगे।

सोलर पावर प्लांट के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर मिलेगा लाभ

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 25 जून। सामाजिक संस्थाओं तथा पिछड़े व अनुसूचित जाति वर्ग की धर्मशालाओं के लिए सोलर पावर प्लांट लगाने के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। परियोजना अधिकारी संजीव कुमार नैन ने बताया कि सामाजिक क्षेत्र संस्थान के लिए 50 किलोवाट (बिना बैटरी) व 10 किलोवाट (बैटरी) के साथ तक ग्रिड कनेक्टेड के सोलर पावर प्लांट के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सामाजिक क्षेत्र संस्थान जिनमें गुरुकुल, कामकाजी महिला छात्रावास, अनाथालय, बधिर और मूक केंद्र, प्राकृतिक उपचार केंद्र, रेडक्रॉस आदि शामिल हैं, जो किसी एनजीओ, दानशील संस्थान, सरकारी संस्थान के अंतर्गत पंजीकृत हैं, वे सोलर पावर प्लांट के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सोलर पावर प्लांट पहले आओ पहले पाओ स्कीम के तहत ऑनलाइन आवेदन शुरू किए गए है। उन्होंने बताया कि पावर प्लांट लगवाने पर 50 प्रतिशत राशि का अनुदान राज्य सरकार द्वारा दिया जाएगा तथा 50 प्रतिशत राशि का भुगतान संस्थान द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक लाभार्थी संस्थान के पंजीकरण का प्रमाण पत्र, नवीनतम बिजली बिल, चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा पिछले तीन साल के लाभ-हानि का विवरण, आयकर प्रमाण पत्र यूएस जी-80 को ऑनलाइन जमा करवाना होगा। पात्र संस्थान की 50 प्रतिशत राशि ऑनलाइन जमा की जाएगी।
अनुसूचित जाति व पिछड़ी जाति वर्ग की धर्मशालाओं में सोलर पावर प्लांट लगाने बारे आवेदन आमंत्रितः
परियोजना अधिकारी ने बताया कि विभाग की ओर से अनुसूचित जाति व पिछड़ी जाति वर्ग की धर्मशालाओं में सोलर पावर प्लांट लगाने के लिए भी ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। धर्मशालाओं से 5 किलोवाट (बैटरी/बिना बैटरी) तक ग्रिड कनेक्टेड के सोलर पावर प्लांट के लिए आवेदन मांगे गए हैं। उन्होंने बताया कि सोलर पावर प्लांट लगवाने के लिए पहले आओ पहले पाओ स्कीम के तहत ऑनलाइन आवेदन शुरू किये गए है। स्कीम के तहत अनुसूचित व पिछड़ी जाति वर्ग की धर्मशालाओं में सोलर पावर प्लांट लगाने पर राज्य सरकार 75 प्रतिशत राशि का अनुदान देगी, जबकि शेष 25 प्रतिशत राशि का भुगतान धर्मशाला द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लाभार्थी धर्मशाला द्वारा संस्थान के पंजीकरण का प्रमाण पत्र और नवीनतम बिजली बिल को ऑनलाइन जमा करवाना अनिवार्य होगा। अधिक जानकारी के लिए लघु सचिवालय स्थित अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में कमरा नंबर 54 में संपर्क किया जा सकता है।

महिला को 96 हजार का चूना लगाने के मामले में दो आरोपी काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 25 जून। सिरसा पुलिस ने वर्क फ्रॉम होम के जरिए महिला को 96 हजार रुपए का चूना लगाने वाले दो आरोपियों को अलवर राजस्थान से गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मोनू पुत्र किशन लाल निवासी लीली जिला अलवर व कपिल कुमार पुत्र ओमप्रकाश निवासी उपला सौनावा अलवर राजस्थान के रूप में हुई है।
साइबर थाना प्रभारी ने उप निरीक्षक सुभाष चंद्र ने बताया कि फूलकां निवासी पीड़ित महिला को अज्ञात नंबरों से कॉल आई थी और कॉल करने वाले व्यक्ति ने कहा कि हम नटराज पेंसिल कंपनी की ओर से बोल रहे हैं। यदि आप घर बैठे वर्क फ्रॉम होम के जरिए लाखों रुपए कमाना चाहते है तो हमारी कंपनी ज्वाइन कर सकते हैं जिसमें घर बैठे आपको पेंसिल पैकिंग वर्क फ्रॉम होम के जरिए घर बैठे लाखों रुपए कमा सकते हो। उन्होंने बताया कि पीड़ित महिला साइबर अपराधियों के लुभाने ऑफर में आकर कम समय में ज्यादा पैसा कमाने के चक्कर में पड़ गई और इन्वेस्टमेंट के नाम पर 96 हजार रूपए की राशि लूटा बैठी। साइबर थाना पुलिस टीम ने जांच के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और जो भी व्यक्ति इस घटना में संलिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ऑनलाइन पैसा कमाने का झांसा देने वालों से सावधान और सतर्क रहें। अगर किसी व्यक्ति के साथ साइबर धोखाधड़ी हो जाती है, तो तुरंत 1930 पर कॉल करें या नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

एलटी मीटर शिफ्ट किए जाने से कटघरे में निगम अधिकारी

सोशल वर्कर ने बिजली मंत्री अनिल विज से की शिकायत

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 25 जून। **दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण** निगम सिरसा के अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं की समस्या को भले ही गंभीरता से न सुना जाए लेकिन ह्यसुविधा शुल्कह्ल देने वालों को हर सुविधा पलभर में उपलब्ध करवाने के आरोप लगते रहें है। तारों को कवर करना हो, पोल शिफ्ट करना हो या ट्रांसफार्मर इधर से उधर करना हो या अवैध कॉलोनियों में बिजली सुविधा प्रदान करनी हों। ताजा प्रकरण में शहर के सोशल वर्कर द्वारा रंगड़ी रोड पर शोरा फैक्ट्री के निकट जारी एलटी कनेक्शन को निर्धारित स्थल से करीब एक किलोमीटर दूर शिफ्ट करने की शिकायत निगम अधिकारियों से की गई। शिकायत में बताया कि पुरानी जगह बेचे जाने पर एलटी कनेक्शन को रंगड़ी नटार लिंक रोड पर शिफ्ट किया गया और यही पर इसका इस्तेमाल किया गया।
शिकायतकत्र्ता की ओर से पुरानी व नई जगहों की फोटो और वीडियो सहित शिकायत की गई। मामले में निगम अधिकारियों की ओर से त्वरित कार्रवाई करने की बजाए ढुलमुल रवैया अपनाया गया। जिस पर नए स्थान से मीटर हटाकर पुराने स्थान पर लगा दिया गया। सोशल वर्कर ने बिजली मंत्री अनिल विज से पूरे मामले में कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में बताया कि बिना विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत से एलटी कनेक्शन एक जगह से दूसरी जगह कैसे शिफ्ट हो सकता है। बताया जाता है कि शिकायत के बाद निगम में हडकंप मचा हुआ है।

डबवाली में मां-बेटी ने की आत्महत्या- पति के अवैध संबंधों के चलते मां-बेटी थी तनाव में

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 25 जून। डबवाली में बुधवार को मां-बेटी द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि मृतक महिला की बेटी के पति के किसी अन्य महिला के साथ अनैतिक संबंध थे और वह उसकी बेटी को तलाक के लिए परेशान कर रहा था, जिसके चलते दोनों मां-बेटी से यह कदम उठाया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में पहुंचाया।
जानकारी अनुसार डबवाली के वार्ड नंबर छह निवासी अमृतपाल कौर की शादी आठ माह पहले हुई थी। शादी के बाद पता चला कि उसके पति का किसी अन्य महिला के साथ अवैध संबंध है और घर में कलह होने लगी। आरोपी पति द्वारा अमृतपाल कौर व उसकी मां राजविंदर कौर को तलाक के कागजात तैयार करने की बात कहकर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। इस बात को लेकर दोनों मां-बेटी तनाव में रहने लगी और बुधवार दोपहर अपने घर में फांसी लगाकर दोनों ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि अमृतपाल कौर गर्भवती थी और उसकी आठ माह पहले ही शादी हुई थी। आसपास के लोगों को मां-बेटी द्वारा आत्महत्या किए जाने की खबर मिली तो घर के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई और मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डबवाली के नागरिक अस्पताल में पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल पुलिस परिजनों के बयान दर्ज कर रही है और बयानों के आधार पर ही आगामी कार्रवाई की जाएगी।

'जमानत के बाद भी नहीं हुए रिहा' सुप्रीम कोर्ट ने लगाई UP जेल अधिकारियों को फटकार, कहा-यह न्याय का उपहास

लखनऊ, । उच्चतम न्यायालय ने धर्मांतरण रोधी कानून के तहत दर्ज एक मामले में 29 अप्रैल को जमानत पाने वाले एक आरोपी को रिहा करने में देरी के लिए बुधवार को उत्तर प्रदेश के जेल अधिकारियों की आलोचना की। न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह 24 जून को जिला जेल गाजियाबाद से रिहा किए गए आरोपी को पांच लाख रुपये का मुआवजा दे।
पीठ ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए उसके समक्ष पेश हुए उत्तर प्रदेश के जेल महानिदेशक से पूछा, "आप अपने अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए क्या सुझाव दे सकते हैं?" पीठ ने कहा कि अधिकारियों को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त स्वतंत्रता के महत्व के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा, "स्वतंत्रता संविधान के तहत प्रदत्त एक बहुत ही मूल्यवान अधिकार है।"
उत्तर प्रदेश की ओर से पेश वकील ने कहा कि आरोपी को मंगलवार को जेल से रिहा कर दिया गया और देरी क्यों हुई, इसका पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। पीठ ने गाजियाबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को जांच करके रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। आरोपी ने दावा किया था कि उसे इस आधार पर जमानत पर रिहा नहीं किया गया कि जमानत आदेश में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 के एक प्रावधान की उपधारा का उल्लेख नहीं किया गया था।
इस पर शीर्ष अदालत ने मंगलवार को कड़ी आपत्ति जताई।
पीठ ने कहा कि 29 अप्रैल को उच्चतम न्यायालय द्वारा व्यक्ति को जमानत देने के बाद 27 मई को गाजियाबाद की एक निचली अदालत ने जेल अधीक्षक को एक रिहाई आदेश जारी किया था। आदेश में कहा गया था कि आरोपी को निजी मुचलके पर तब तक के लिए हिरासत से रिहा कर दिया जाए, जब तक कि उसे किसी अन्य मामले में हिरासत में रखने की आवश्यकता न हो।

ऑफिस में भी नजर आएं स्मार्ट

हर रोज ऑफिस में आप कई घंटे बिताती हैं, परंतु यह क्या कि कुछ समय बाद ही मेकअप डल लुक देने लगता है और अचानक किसी मीटिंग या किसी पार्टी में जाना पड़ जाए तो आपको समझ नहीं आता कि आप सुबह वाले लुक को फिर से कैसे पाएं, इसके लिए जरूरी है कि सही मेकअप लगाया जाए ताकि आप ऑफिस में भी हमेशा स्मार्ट और ब्यूटीफुल नजर आएं।

- चेहरे को धोकर पहले अच्छी तरह मॉइश्चराइज करें, फिर फाऊंडेशन लगाएं। फाऊंडेशन हमेशा ब्रश से लगाएं, क्योंकि उंगलियों से लगाने से फाऊंडेशन पूरे फेस पर एक समान नहीं लगता। चेहरे के बीच से शुरू करते हुए फाऊंडेशन को बाहर की तरफ नैकलाइन और जॉ-लाइन तक लगाएं। फिर पाऊडर से मेकअप को फाइनल टच दें।
- ऑफिस के समय यदि किसी मीटिंग में अचानक जाना पड़े तो थोड़ा टच-अप जरूरी है। इसके लिए अपने पर्स में एक मिनी मेकअप किट अवश्य रखें, जिसमें लिप ग्लॉस, ब्लशर, आई शैडो और फेस पाऊडर जरूर हो। इसके अलावा टी-ब्रेक्स या लंच के बाद एक बार फिर से लिपस्टिक लगा कर फैश लुक पा सकती हैं।
- यदि आपके पास इतना भी टाइम नहीं है कि मेकअप रिमूव कर सकें, तो आप इसे रिफैश कर सकती हैं। इसके लिए नाइट रिपेयर क्रीम की कुछ बूंदें हथेली पर लेकर फेस पर लगाएं, फिर फेस पाऊडर लगा लें। चेहरे पर निखार आ जाएगा।
- शाम के समय लिप मेकअप रिमूव करके कोई दूसरी लिपस्टिक लगा लें। यदि ऑफिस के तुरंत बाद किसी पार्टी में या बाहर घूमने जाना है, तो उसी के अनुसार अपना शेड चुन लें। गालों पर ब्लशर लगाएं। आंखों की खूबसूरती निखारने के लिए काजल एवं आई शैडो का एक कोट लगा लें।
- यदि आपको बिजनैस मीटिंग के लिए जाना है, तो पॉलिश्ड लुक रखें। प्रोफैशनल लुक के लिए लिप ग्लॉस की अपेक्षा लाईट शेड की लिपस्टिक लगाएं। गालों पर हल्का ब्लशर लगाएं और आंखों को आकर्षक बनाने के लिए लाइट आई शैडो और मस्कारा अप्लाई करें।

जब फीकी पडने लगे खूबसूरती

खूबसूरती और ग्लोइंग स्किन आपके हैल्दी होने की निशानी होती है, यदि प्रदूषण या बदलते मौसम के कारण स्किन की चमक फीकी पडने लग गई हो, तो आवश्यकता है थोड़ी- सी अतिरिक्त देखभाल की, जिससे खोई खूबसूरती लौट सकती है।

दही -स्किन को धूल, गंदगी और सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने के लिए सबसे अच्छा ऑप्शन दही है। पांच चम्मच दही में एक चम्मच हल्दी और एक चम्मच चोकर मिलाकर चेहरे पर लगाने से धूप का दुष्प्रभाव चेहरे से हट जाएगा, साथ ही ब्लैक हैड्स और व्हाइट हैड्स की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा।

केला - केले को पीस कर चेहरे पर लगाने से त्वचा को आयरन और अन्य पोषक तत्व मिल जाते हैं। इसके रोजाना इस्तेमाल से त्वचा में निखार आता है।

स्टीम - ड्राई स्किन में झुर्रियां जल्दी पड़ती हैं, सो सप्ताह में कम से कम एक बार स्किन को स्टीम जरूर दें। स्टीम बाथ भी एक अ'छा ऑप्शन है। इससे स्किन की नमी बरकरार रहती है।

कैस्टर ऑयल - झुर्रियां हटाने में कैस्टर ऑयल बहुत उपयोगी है। रोजाना अपने चेहरे पर कैस्टर ऑयल लगाना न भूलें। इससे स्किन मुलायम और चमकदार बनती है।

गुलाबजल - गुलाबजल की एक शीशी हमेशा साथ रखें और 1-2 घंटों के बाद इसे अपने चेहरे पर स्प्रे करती रहें। खास तौर पर जब आप देर तक एयर कंडीशंड वातावरण में रहें क्योंकि इससे स्किन जल्दी रूखी और बेजान हो जाती है।

घरेलू काम से निखारें रूप और सेहत

हाऊस वाइव्ज हमेशा अपनी ब्यूटी केयर के प्रति लापरवाह रहती हैं, जिससे कि कुछ समय के पश्चात वे अपने आकर्षण की कमी महसूस करते हुए काम्प्लैक्स का शिकार होने लगती हैं। उन्हें अपना जीवन भी नीरस लगने लगता है। यदि आप इनसे लापरवाही की वजह पूछेंगे, तो वे अपनी व्यस्त दिनचर्या की पूरी लिस्ट बना कर आपको दिखा देंगी। लिस्ट को देख कर तो एक भी अतिरिक्त क्षण ऐसा नहीं निकलता कि वे ब्यूटी केयर की तरफ ध्यान दे पाएं। ऐसे में आखिर क्या किया जाए कि बिजी शैड्यूल में काम करते-करते ही ब्यूटी केयर भी हो जाए और एक्सरसाइज करते हुए शरीर भी सुडौल बना रहे। इसके लिए जरूरी है कि छोटे-छोटे उपाय एवं टिप्स को अपना लिया जाए।

ब्यूटी केयर

- सब्जियां काट रही हैं तो ध्यान रखें कि किसी भी हरी सब्जी को काट कर उसके टुकड़े को चेहरे पर लगा सकती हैं। जब आलू काटें तो एक-दो स्लाइस आंखों के नीचे रगड़ लें, इससे आंखों के नीचे पड़े काले घेरे भी गायब हो जाएंगे। फ्रूट काटते हुए या जूस बनाते समय उस फल की फांक या उसका रस चेहरे पर मलने से भी चेहरे पर चमक आ जाएगी। यही नहीं, खीरे का रस भी चेहरे पर ग्लो लाने के लिए अच्छा माना जाता है।
- जब चाय बनाएं या पानी गर्म करें तो अपने हाथों को स्टीम दे सकती हैं, जिससे कि हाथ हर मौसम में मुलायम बने रहेंगे।
- पकौड़ों के लिए बेसन घोलते समय उसमें नमक और मसाला डालने से पहले थोड़ा-सा बेसन लेकर चेहरे पर लगा लें। यह एक बेहतरीन फेस पैक है।
- दिन में कई बार आप नीचे गिरी चीजें, चप्पल और जूते ढूढने तथा फर्श पर पड़े बच्चों के मैले कपड़े आदि उठाने के लिए झुकती हैं। अब से नियम बना लें कि जब कभी आप इस प्रकार की स्थिति में कोई वस्तु नीचे से उठाएं तो इतना करें कि पेट को अंदर की ओर कर तथा घुटनों को सीधे रख कर ही उस चीज को उठाएं।
- कई बार तो छोटे बच्चे कभी माचिस की पूरी डिबिया की तीलियां फर्श पर बिखेर देते हैं या कभी कलर पैंसिल गिरा देते हैं, उन पर झल्लाने की अपेक्षा पेट को अंदर कर और घुटनों को सीधा रख कर एक-एक तीली या पैंसिल उठा कर डिबिया में डालती जाएं, इससे आपको झुक कर अंगूठा छूने वाले व्यायाम का लाभ बिना अतिरिक्त समय निकाले ही मिल जाएगा।
- यदि आपकी बांहें थोड़ी मोटी हैं, जो आपको देखने में भली नहीं लगतीं और डॉक्टर या योगा एक्सपर्ट के पास जाने का समय नहीं है, तो बस इतना करें कि अपने गीले कपड़े सुखाने वाली तारों को जरा और ऊंचा करके बांध दें। हर रोज कपड़े फैलाते हुए आपकी बांहें अधिक खिंचाव पाएंगी और आपकी बांहें सुडौल हो जाएंगी।
- सप्ताह में एक बार घर के जाले साफ करें, किंतु स्टिक छोटी ही रखें, इससे आपको पांवों के बल थोड़ा ऊंचा उठते हुए जाले साफ करने पड़ेंगे। इससे भी बांहों और पोस्चर की एक्सरसाइज हो जाएगी।

छोटी अवधि के कोर्स पर भी मिलता है एजुकेशन लोन

महंगाई के साथ ही पढ़ाई का खर्च भी बढ़ता जा रहा है। बैंकों से पढ़ाई के लिए कर्ज (एजुकेशन लोन) की सहायता के बगैर उच्च शिक्षा का सपना पूरा करना मुश्किल हो गया है। सरकार ने एजुकेशन लोन के ब्याज पर टैक्स छूट की सुविधा दे रखी है। आप उच्च शिक्षा के साथ छोटी अवधि के कोर्स के लिए भी एजुकेशन लोन ले सकते हैं।

किस कोर्स के लिए कर्ज

12वीं के बाद इंजीनियरिंग, मेडिकल और बिजनेस मैनेजमेंट सहित अन्य कोर्स के लिए बैंक से कर्ज ले सकते हैं। इसके साथ ही आप छोटी अवधि की व्यवसायिक शिक्षा के लिए भी एजुकेशन लोन ले सकते हैं। आईडीबीआई बैंक तीन माह की व्यावसायिक शिक्षा के लिए भी कर्ज मुहैया कराता है। एजुकेशन लोन के लिए जरूरी है कि आपका कोर्स सरकार या संबंधित निकाय (एआईसीटीई) से मान्यता प्राप्त हो।

कितनी मिलती है टैक्स छूट

आयकर की धारा 80ई के तहत एजुकेशन लोन के ब्याज भुगतान पर टैक्स छूट मिलती है। एजुकेशन लोन के ब्याज भुगतान में टैक्स छूट की कोई सीमा नहीं है। हालांकि आप अधिकतम आठ साल तक इसके तहत टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं। इसमें मासिक किस्त नौकरी शुरू करने छह माह बाद या कोर्स खत्म होने एक साल बाद से देना जरूरी है। आप कोर्स के दौरान भी ब्याज चुका सकते हैं।

कितना ले सकते हैं कर्ज

बैंक देश में पढ़ाई के लिए 10 लाख रुपये तक का कर्ज बैंक मुहैया करते हैं। हालांकि आईआईएम जैसे संस्थानों के लिए बैंकों ने कुछ विशेष प्रावधान किए हैं। वहीं विदेश में पढ़ाई के लिए 20 लाख रुपये तक का कर्ज ले सकते हैं। मौजूदा समय में बैंक करीब 12 फीसदी से 14 फीसदी तक के ब्याज पर एजुकेशन लोन मुहैया करा रहे हैं।

क्या गारंटर जरूरी है

सामान्यत: चार लाख रुपये तक के कर्ज पर किसी गारंटर की जरूरत नहीं है। इससे अधिक और 7.5 लाख रुपये के कर्ज पर बैंक गारंटर मांगते हैं। जबकि इससे अधिक के लिए संपत्ति का दस्तावेज जरूरी है।

इन बातों का रखें ध्यान

एजुकेशन लोन अपने साथ पत्नी या बच्चों के लिए भी ले सकते हैं। टैक्स छूट का दावा तभी कर सकते हैं जब कर्ज बैंक या मान्यताप्राप्त चैरिटेबल ट्रस्ट से लिया गया हो।

मुनाफे की राह पर ले जाये डेयरी उद्योग

पशुपालन हमारे देश में ग्रामीणों के लिए सिर्फ शौक ही नहीं, बल्कि आमदनी का जरिया भी रहा है, लेकिन सही जानकारी के अभाव में अकसर लोग पशुपालन का पूरा फायदा नहीं उठा पाते. इस काम से संबंधित थोड़ा-सा ज्ञान और सही दिशा में की गयी प्लानिंग आपको बेहतरीन मुनाफा कमाने का रास्ता दिखा सकती है. डेयरी उद्योग में दुधारू पशुओं को पाला जाता है. इस उद्योग के तहत भारत में गाय और भैंस पालन को ज्यादा महत्व दिया जाता है, क्योंकि इनकी अपेक्षा बकरी कम दूध देती है. इस उद्योग में मुनाफे की संभावना को बढ़ाने के लिए पाली जानेवाली गायों और भैंसों की नस्ल, उनकी देखभाल व रख-रखाव की बारीकियों को समझना पड़ता है.

शैक्षिक योग्यता

आप चाहें तो डेयरी उद्योग की बारीकियों को समझने के लिए प्रशिक्षण भी ले सकते हैं. ऐसे कई संस्थान हैं, जो डेयरी उद्योग का प्रशिक्षण देते हैं. प्रशिक्षण लेने के लिए कोई निश्चित शैक्षिक योग्यता या आयु सीमा निर्धारित नहीं है. डेयरी उद्योग को स्वरोजगार के रूप में अपनाने की ख्वाहिश रखनेवाले इन संस्थानों में दाखिला ले सकते हैं. हां, मगर डेयरी प्रोडक्शन के पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेने के लिए उम्मीदवार का 60 प्रतिशत अंकों के साथ बीएससी पास होना आवश्यक है.

फायदेमंद प्रजातियां

भारत में 32 तरह की गायें पायी जाती हैं. गायों की प्रजातियों को तीन रूप में जाना जाता है, ड्रोड ब्रीड, डेयरी ब्रीड और ड्यूअल ब्रीड. इनमें से डेयरी ब्रीड को ही इस उद्योग के लिए चुना जाता है. दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से भारत में तीन तरह की भैंसें मिलती हैं, जिनमें मुर्रा, मेहसाणा और सुरती प्रमुख हैं. मुर्रा भैंसों की प्रमुख ब्रीड मानी जाती है. यह ज्यादातर हरियाणा और पंजाब में पायी जाती है. मेहसाणा मिक्सब्रीड है. यह गुजरात और महाराष्ट्र में पायी जाती है. इस नस्ल की भैंस एक महीने में 1,200 से 3,500 लीटर दूध देती हैं. सुरती छोटी नस्ल की भैंस होती है, जो गुजरात में पायी जाती है. यह एक महीने में 1,600 से 1,800 लीटर दूध देती है. अकसर डेयरी उद्योग चलानेवाले इन नस्लों की उचित जानकारी न होने के चलते व्यापार में भरपूर मुनाफा नहीं कमा पाते. डेयरी उद्योग की शुरुआत पांच से 10 गायों या भैंसों के साथ की जा सकती है. मुनाफा कमाने के बाद पशुओं की संख्या बढ़ायी जा सकती है.

देखभाल पर जोर देना जरूरी

पाली गयी गायों व भैंसों से उचित मात्र में दुग्ध का उत्पादन करने के लिए उनके स्वास्थ संबंधी हर छोटी-बड़ी बात का ख्याल रखना जरूरी होता है. पशु जितने स्वस्थ होते हैं, उनसे उतने ही दूध की प्राप्ति होती है और कारोबार अच्छा चलता है. जानवरों को रखने के लिए एक खास जगह तैयार करनी होती है. जहां हवा के आवागमन की उचित व्यवस्था हो. साथ ही, सर्दी के मौसम में जानवर ठंड से बचे रहें. रख-रखाव के बाद बारी आती है पशुओं के आहार की. इसके लिए गायों या भैंसों को निर्धारित समय पर भोजन देना जरूरी होता है. इन्हें रोजाना दो वक्त खली में चारा मिला कर दिया जाता है. इसके अलावा बरसीम, ज्वार व बाजरे का चारा दिया जाता है. दूध की मात्र बढ़ाने के लिए भोजन में बिनौले का इस्तेमाल करना अच्छा रहता है. डेयरी मालिक के लिए इस बात का ख्याल रखना भी जरूरी होता है कि पशुओं को दिया जानेवाला आहार बारीक, साफ-सुथरा हो, ताकि जानवर भरपूर मात्र में भोजन करें. वहीं चारे के साथ पानी की मात्र पर ध्यान देना भी जरूरी है. गाय व भैंस एक दिन में 30 लीटर पानी पी सकती हैं. इसके अलावा डेयरी मालिक को पशुओं की बीमारियों व कुछ दवाओं की समझ भी होनी चाहिए.

ले सकते हैं सरकारी मदद

आज कई सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं डेयरी उद्योग के लिए 10 लाख रुपये तक की लोन सुविधा उपलब्ध कराती हैं. इसके लिए डेयरी मालिक को तमाम कागज जैसे एनओसी, एसडीएम का प्रमाणपत्र, बिजली का बिल, आधार कार्ड, डेयरी का नवीनतम फोटो आदि जमा करना होता है. वेरीफिकेशन के बाद अगर संबंधित प्राधिकरण संतुष्ट हो जाता है, तो डेयरी मालिक को डेरी और पशुओं की संख्या के हिसाब से पांच से 10 लाख रुपये तक की राशि मुहैया करायी जाती है. डेयरी मालिक को यह राशि किस्तों में जमा करनी होती है. निश्चित समय पर किस्तों का भुगतान करने पर कुछ किस्तें माफ भी कर दी जाती हैं.

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोनः01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।